



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026

VISIT:

www.qaumipatrika.in

Email: qpatrika@gmail.com

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 340 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पहली बार विपक्ष का सुप्रीम कोर्ट तक मार्च

● एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिका लगाई

● राहुल-अखिलेश समेत 10 पार्टियों के 11 नेता याचिकाकर्ता

एजेंसी नई दिल्ली। राहुल, प्रियंका, खड़गे के साथ अन्य विपक्षी सांसद सोमवार शाम अचानक सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे। पहले विपक्षी सांसदों ने दिल्ली के बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च निकाला था। उन्हें 500 मीटर पहले रोक दिया गया था। यह पहली बार है जब विपक्षी नेताओं ने किसी मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला।

SIR में गड़बड़ी के खिलाफ विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है, जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं।

मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की

तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और



जिम्मेदारी है। BJP, चुनाव आयोग के साथ मिलकर संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। वह हमेशा सत्ता में बने



तेजस्वी बोले- देश की जनता उन्हें नहीं भूलेगी

तेजस्वी यादव ने कहा, देश की जनता उन्हें नहीं भूलेगी। हम सभी लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए एकजुट हुए हैं। अब उन्हें सजा देने का समय आ गया है।

अनुराग ठाकुर बोले- राहुल हवाई नेता हैं

भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा- राहुल हवाई नेता हैं। वे बस झूठ बोलते रहते हैं। अब तो सड़क छाप भाषा पर उतर आए। राहुल गांधी देश को शोर् नहीं सच चाहिए। आरोप नहीं सबूत चाहिए। आप राष्ट्रपति के पास गए तो कहा गया कि सबूत दिखाएं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया कि कोर्ट का आप राजनीति का रणक्षेत्र नहीं बना सकते।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर सुनवाई

● सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- 'सिर्फ प्रतिबंध नहीं, जागरूकता भी जरूरी'

सुप्रीम कोर्ट ने किया स्पष्ट, बदले हुए

फॉर्म-6 पर नहीं दिया कोई फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उसने नए मतदाता पंजीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के बदले हुए फॉर्म 6 डिक्लेरेशन पर कोई फैसला नहीं दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब उसने बिहार में वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेसिव रिविजन' (एसआईआर) मामले पर फैसला सुनाया था, तब बदला हुआ फॉर्म उसके सामने नहीं था। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जयमाल्या बागची और वी. मोहना की बेंच ने यह स्पष्टीकरण तब दिया, जब वे एक नई याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। इस याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के कामकाज और फॉर्म 6 में किए गए बदलावों पर चिंता जताई गई थी।

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध से जुड़े मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि अदालत धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहती लेकिन इस मुद्दे पर व्यवहारिक और संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि पटाखों के इस्तेमाल को लेकर लोगों को जागरूक करने और इसके लिए कुछ निर्धारित समय तय करने जैसे उपायों पर विचार किया जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अदालत को ऐसा समाधान तलाशना होगा, जो धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने के साथ-साथ मौजूदा परिस्थितियों को भी ध्यान में रखे। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि यदि अदालत सीधे पटाखों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी करती है, तो लोग दिन में ही पटाखे जलाना शुरू कर सकते हैं। ऐसे में केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय व्यावहारिक उपायों पर विचार करना जरूरी है। सीजेआई ने कहा कि पटाखों के इस्तेमाल को लेकर लोगों से अपील करने



और इन्हें चलाने के समय को कुछ निर्धारित घंटों तक सीमित रखने के लिए अभी पर्याप्त समय है। उन्होंने नागरिकों और सिविल सोसायटी से भी मौजूदा स्थिति के प्रति जागरूक रहने तथा अपनी जिम्मेदारी समझने की अपील की। सुनवाई के दौरान एक वकील ने दलील दी कि पटाखे चलाना धर्म के मौलिक अधिकार का हिस्सा नहीं है। वकील ने कहा कि पूजा करना धार्मिक आस्था का हिस्सा हो सकता है लेकिन पटाखे जलाना धार्मिक गतिविधि के लिए अनिवार्य नहीं है। उन्होंने इस संदर्भ में टिप्पणी की कि यदि भगवान को पता चले

इस मुद्दे पर व्यावर्णित जॉयमाल्या बागची ने सवाल किया कि पटाखों का धर्म से अखिर क्या संबंध है। अदालत की सहायता कर रही अपराजिता सिंह ने कहा कि पटाखों के इस्तेमाल के पक्ष में हर बार धार्मिक आस्था से जुड़ी दलीलें दी जाती हैं जबकि इसके दुष्प्रभावों को भी गंभीरता से देखने की जरूरत है। अपराजिता सिंह ने कहा कि यदि भगवान को यह पता चले कि उनके नाम पर पटाखे जलाने के कारण बच्चों को तलकालीन हो रही है और वे बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे।

कि उनके नाम पर पटाखे जलाने से लोगों खासकर बच्चों को परेशानी हो रही है, तो वे भी हैरान होंगे।

केंद्र सरकार का राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बड़ा निर्देश

अस्पतालों में इलाज के शुल्क प्रमुखता से किए जाएं प्रदर्शित

● इस कदम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और मरीज-केंद्रित व्यवस्था को मजबूत करना है।

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल और अन्य क्लिनिकल प्रतिष्ठान अपनी सेवाओं और सुविधाओं के लिए लिए जाने वाले शुल्क को प्रमुखता से प्रदर्शित करें। इस कदम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और मरीज-केंद्रित व्यवस्था को मजबूत करना है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा है कि

संबंधित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और इलाज व स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े शुल्क की जानकारी मरीजों और उनके



परिजनों को आसानी से दिखाई और उपलब्ध हो। मंत्रालय के अनुसार, उपचार शुल्क की स्पष्ट जानकारी मिलने से मरीज और उनके परिवार इलाज पर होने वाले संभावित खर्च को पहले से समझ सकेंगे। इससे उन्हें बेहतर वित्तीय योजना बनाने और सूचित निर्णय लेने

पत्र में विलिनिकल

एस्टैब्लिशमेंट्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2010 और विलिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (सेटल गवर्नमेंट) रूल्स, 2012 का उल्लेख किया गया है।

में मदद मिलेगी। साथ ही बिलिंग को लेकर होने वाले भ्रम और विवाद भी कम होंगे तथा स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ेगा। मंत्रालय ने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

‘संविधान लेकर चलने से वह समझ नहीं आता’

राहुल गांधी को सीजेआई से नहीं मिला मिलने का वक्त: भाजपा ने ली चुटकी

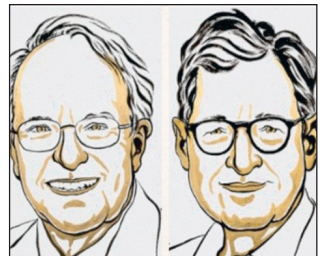
एजेंसी स्टॉकहोम। मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात की राहुल गांधी की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि न्यायपालिका को रोजमर्रा की राजनीतिक लड़ाई से दूर और ऊपर रखना चाहिए। पार्टी के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने सत्ता हासिल करने की बेचैनी में शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत को ही राजनीतिक नाटक में उलझा दिया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि राहुल गांधी ने शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत और सत्ता पाने की बेचैनी के बीच का फर्क ही भुला दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और विपक्ष के दूसरे नेताओं से मुलाकात करने से मुख्य न्यायाधीश का इनकार एक अहम संदेश देता है। न्यायपालिका को रोजमर्रा की राजनीतिक लड़ाई से ऊपर रहना चाहिए। भाटिया ने कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि सिर्फ संविधान की एक प्रति हाथ में लेकर चलने से यह साबित नहीं होता कि कोई उसे समझता भी है। अनेक राहुल गांधी को संविधान पढ़ने और उसका सम्मान करने की नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत को भी समझना चाहिए।

कोनॉमिक्स नोबेल 2026

इरॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को मिला अर्थशास्त्र का सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी स्टॉकहोम। इस साल अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दो अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को इसकी घोषणा की। रॉबर्ट ई हॉल स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और माइकल वुडफोर्ड कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। दोनों को यह पुरस्कार इंप्लेशन यानी मंदी और इकोनॉमिक क्रैश यानी तेजी के बीच अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने से जुड़ी नीतियों के लिए सूक्ष्म आर्थिक आधार का विकास करने के लिए दिया गया। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ने नामों का ऐलान करते हुए कहा कि दोनों ने दिखाया कि कैसे आर्थिक मॉडलों का पुनर्निर्माण करके स्थिरिकरण नीति (स्टेबलाइजेशन पॉलिसी) को फिर से सक्रिय किया जा सकता है। महंगाई, उत्पादन और खपत जैसे

मैक्रोइकोनॉमिक वेरिएबल्स (मसलन मंदी, जीडीपी, बेरोजगारी दर जैसे अर्थव्यवस्था के संकेतक) के बीच



सांख्यिकीय संबंधों पर मॉडल आधारित करने के बजाय, उन्होंने उन्हें माइक्रो-इकोनॉमिक फाउंडेशन बनाने का विकल्प चुना। उनकी रिसर्च से यह समझने में मदद मिली कि सरकारें और केंद्रीय बैंक सही समय पर आर्थिक फैसले लेकर मंदी के असर को कैसे कम कर सकते हैं।

‘नाच न जाने आंगन टेढ़ा’

कहा- राम जी के विरोधी आज शिवजी की बरात की बात कर रहे

एजेंसी नई दिल्ली। इंडिया ब्लॉक के विरोध मार्च से पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी के ‘शिवजी की बरात’ वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग जीवनभर भगवान राम का विरोध करते रहे, वे आज शिवजी की बरात की बात कर रहे हैं। शिवराज ने कांग्रेस की लगातार चुनावी हार को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी नाकामी के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहरा रही है, जबकि असली समस्या उसका नेतृत्व है। राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस कई वर्षों से संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव हारने के बाद चुनाव आयोग पर सवाल उठाना कांग्रेस की आदत बन गई है। शिवराज ने कहा



कि लगातार चुनाव हारना और फिर सड़कों पर प्रदर्शन करना कांग्रेस की नियाति बन गई है। उन्होंने ‘नाच न जाने आंगन टेढ़ा’ कहावत का इस्तेमाल करते हुए कहा कि कांग्रेस को अपनी हार के कारणों पर विचार करना चाहिए। शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग भगवान राम का विरोध करते रहे, वे अब शिवजी की बरात की बात कर रहे हैं। उन्होंने विपक्ष के मार्च को लेकर कहा कि यह शिवजी की बरात नहीं, बल्कि सड़कों पर उतरी अराजक लोगों की भीड़ है। उन्होंने कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक पर विदेशी ताकतों के इशारों पर काम करने का आरोप भी लगाया। शिवराज ने दावा किया कि सत्ता हासिल करने के लिए कांग्रेस वामपंथियों, जॉर्ज सोरोस जैसी विदेशी ताकतों और गैर सरकारी संगठनों का सहारा ले रही है। हालांकि, उन्होंने इन आरोपों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया।

कांग्रेस पर शिवराज के तीखे तंज

आपदा में जनहानि होने पर प्रभावित परिवार को 24 घण्टे के भीतर 04 लाख रु0 की सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 12 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि अतिवृष्टि के कारण अनदाता किसानों की फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए राज्य सरकार आपदा राहत कोष से क्षतिपूर्ति उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में आज गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के 09 लाख 18 हजार 91 किसानों के बैंक खातों में 493 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे अन्तरित की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह सहायता अनदाता किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। मुख्यमंत्री जी आज जनपद गोरखपुर में बाद/अतिवृष्टि/ओलावृष्टि एवं चक्रवात के कारण फसल क्षति से प्रभावित प्रदेश के 09 लाख से अधिक कृषकों को डी0बी0टी0 के माध्यम से 493 करोड़ रुपये की कृषि निवेश अनुदान धनराशि अन्तरित करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने प्रभावित किसानों को कृषि निवेश अनुदान के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। उन्होंने

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा बच्चों का अन्नप्राशन कराया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने मिशन शक्ति के अन्तर्गत जागरूकता रैली-2026 को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत दिनों प्रदेश में अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, चक्रवात और बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर फसलों को नुकसान पहुंचा है। अनेक स्थानों पर जनहानि और पशुधन की हानि भी हुई है। ऐसे समय में डबल इंजन के साथ ही प्रभावित किसानों को फसल, मकान और पशुधन की क्षति के लिए मात्र 08 से 10 दिन के भीतर आपदा राहत कोष से मुआवजा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। आज किसानों को 493 करोड़ रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अन्तरित की जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस वर्ष बरसात के दौरान अब तक प्रदेश में आपदा से प्रभावित किसानों और नागरिकों को लगभग 1,000 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है।



से 1.20 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई है। यह राशि फसल क्षति के लिए दी जा रही क्षतिपूर्ति से अतिरिक्त है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि किसी आपदा में जनहानि हुई है, तो प्रभावित परिवार को 24 घण्टे के भीतर 04 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिन परिवारों के मकान पूरी तरह नष्ट हो गए हैं या बह गए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास

योजना के अन्तर्गत तत्काल आवास उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। जिनके मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें भी नियमानुसार क्षतिपूर्ति दी जा रही है। पशुधन की हानि होने पर प्रभावित परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। डिजिटल क्राॅप सर्वे के आधार पर जिन जनपदों की सर्वे रिपोर्ट प्राप्त हुई है, वहां प्रभावित किसानों को तत्काल क्षतिपूर्ति दी जा रही है। सरकार का प्रयास है कि आपदा के कारण किसान परिवारों पर आए आर्थिक संकट को यथाशीघ्र कम किया जाए और उन्हें खेती-किसानी दोबारा शुरू करने में आवश्यक सहयोग मिले। डबल इंजन सरकार आपदा को इस चढ़ी में प्रत्येक प्रभावित किसान और परिवार के साथ खड़ी है। प्रभावित परिवारों के साथ सरकार की पूरी संवेदना है। अनदाता किसानों की खुशहाली, समृद्धि और सम्मान के लिए सरकार हर परिस्थिति में उनका साथ देती रहेगी। शेष पृष्ठ 3 पर

एमएलसी चुनाव: गोरखपुर में शिक्षक मतदाता संवाद में बोले सीएम योगी, सपा और शिक्षा कभी न मिलने वाले नदी के दो छोर

एजेंसी नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर उसके शासनकाल के दौरान शिक्षा व्यवस्था की चौपट करने का तंज कसते हुए कहा कि सपा और शिक्षा नदी के दो छोर हैं जो कभी मिलते नहीं हैं। समाजवादी पार्टी शिक्षा की धुर विरोधी है और जो शिक्षा का विरोधी होगा वह शिक्षक का हितैषी कभी नहीं

समाजवादी पार्टी शिक्षा की धुर विरोधी है और जो शिक्षा का विरोधी होगा वह शिक्षक का हितैषी कभी नहीं हो सकता है।

हो सकता है। सीएम योगी सोमवार को महंत दिग्विजयनाथ पार्क में आयोजित शिक्षक मतदाता संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गोरखपुर-फैजाबाद



शिक्षक निर्वाचन खंड विधान परिषद सदस्य (शिक्षक एमएलसी) चुनाव को लेकर भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के पक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तफ़्फ भाजपा है

जो शिक्षा, शिक्षण संस्थान, शिक्षक, सुरक्षा सबके लिए कार्य कर रही है और दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में शिक्षक तक सुरक्षित नहीं थे, कई शिक्षकों को तो अपनी सुरक्षा के लिए बंदूक त्रिपाठी के पक्ष में आयोजित जाना पड़ता था। उनके सपा के आचरण को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि जो धुर शिक्षा विरोधी हैं, वे आज शिक्षा के कायाकल्प की बात कर रहे

हैं। जिनको शिक्षा से लेना-देना नहीं, वे शिक्षा के बारे में बोल रहे हैं, शिक्षकों को उपदेश दे रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि एक वह समय भी था जब प्रदेश और यहां के युवाओं के सामने पहचान का संकट। छत्र चिंतित रहता था, कोई दिशा नहीं थी। प्रकल यहां की पहचान बन गई थी। विद्यालयों के भवन जर्जर थे, कोई पुरसाहाल नहीं था। युवा के सामने भविष्य का संकट था।

ठाकरे बंधुओं समेत 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने शिवाजी पार्क में बिना अनुमति विरोध प्रदर्शन करने के मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) नेता अमित ठाकरे और 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत यह कार्रवाई की है। इस मामले में विधायक वरुण सरदेसाई, महेश सावंत, अनिल परब, सुनील प्रभु और मनसे नेता संदीप देशपांडे समेत कई पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। पुलिस ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया, कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति प्रदर्शन किया और आम लोगों को परेशानी हुई। आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे पर प्रदर्शनकारियों को ले जा रही पुलिस वैन रोकने तथा सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप भी है। पुलिस ने संबंधित नेताओं को बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजे हैं। इस घटनाक्रम के बाद आदित्य ठाकरे ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता की साड़ी फट गई। आदित्य ने मुंबई के लोगों से शिवाजी पार्क पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

आसमानी बिजली गिरने से युवक की मौत, दो घायल

माधोपुर/पटानकोट (एजेंसी)। पंजाब के पटानकोट जिले में माधोपुर-शाहपुरकंडी सड़क पर पावर हाउस के निर्माण स्थल के पास खेतों में काम कर रहे मजदूरों पर आसमानी बिजली गिरने से 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हादसा देर शाम हुआ। जानकारी के अनुसार, अलग-अलग राज्यों से आए मजदूर पावर हाउस के निर्माण स्थल के पास काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आसमानी बिजली गिरने से तीन युवक उसकी चपेट में आ गए। हादसे में विशाल (21) की मौके पर ही मौत हो गई। वह उत्तर प्रदेश के उरई जिले के अवधाना का निवासी था। घायलों की पहचान जितेंद्र उर्फ जितन (19), निवासी शाहपुरकंडी, और रागन (17), निवासी जुगियाल कौलोनी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद मजदूरों में शोक का माहौल है।

कांग्रेस सांसद पर यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर बांसुरी स्वराज ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में विपक्ष के मार्च के बीच भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजाम के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाकर कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने सांसद पर लगे कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों का हवाला देकर राहुल गांधी और कांग्रेस के महिला अधिकारों से जुड़े बयानों पर सवाल खड़े किए। बीजेपी सांसद स्वराज ने कहा कि कांग्रेस ‘लड़की हूं, लड़ सकती हूं’ जैसे कैपेन चलाती है, लेकिन जेएनयू के 11 छात्रों की शिकायतों पर पार्टी की ओर से अभी तक आवाज नहीं उठाई गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या छात्रों की आवाज कांग्रेस के लिए केवल राजनीतिक कार्यक्रमों तक सीमित है। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी की पितृसत्ता को नष्ट करो’ संबंधी टिप्पणी का जिक्र कर कहा कि महिलाओं के अधिकारों की बात केवल नारों और सोशल मीडिया हैशटैग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उनके मुताबिक, जब जवाबदेही की बात आती है, तब कांग्रेस का रवैया अलग दिखाता है। भाजपा सांसद स्वराज ने दावा किया कि वर्ष 2024 में 11 छात्रों ने कांग्रेस नेता अकोइजाम के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम (पॉश) के तहत आंतरिक समिति गठित की गई थी। उन्होंने अकोइजाम के खिलाफ विश्वविद्यालय की कार्रवाई का भी उल्लेख किया। बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा, मल्लिकार्जुन खरसी और सोनिया गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर कांग्रेस नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

मेरा बाप सब संभाल लेगा कहकर कुचल दिये तीन छात्र, मौत

कोच्चि (एजेंसी)। केरल के नेटुंबेरी में हुए एक दिल दहला देने वाले सड़क हादसे ने न सिर्फ तीन मासूम छात्रों की जान ले ली, बल्कि बेलगाम रसूख और संवेदनहीन लापरवाही का एक चौकाने वाला चेहरा भी उजागर कर दिया है। कोच्चि के पास हुए इस हादसे में एक तेज रफ्तार मिनी कूपर ने दोपहिया वाहन पर सवार तीन छात्रों की टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद, आरोपी ड्राइवर के कथित बेखौफ गुरुर ने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया। चरमदींद सलीम ने इस दर्दनाक मंजर को बर्‍यां करते हुए बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास मौजूद लोग दहल गए और तुरंत घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े। सलीम के मुताबिक, जब एक्सिडेंट हुआ, तो मैं पास में ही खड़ा था। जोर की आवाज आई, और हम सब यह देखने के लिए मौके पर दौड़े कि कुछ हुआ तो नहीं। सड़क पर तीन लोग घायल हो गए थे।

राहुल पर चुप्पी साधकर मोदी संग मेट्रो में सफर करते रहे सीएम विजय

- तमिलनाडु में टीवीके की अनूठी राजनीति

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने अपनी राजनीति को केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जुड़े राजनीतिक विवादों से लगातार दूर रखा है। हाल ही में दिल्ली में राहुल गांधी की हिरासत को लेकर विपक्षी दलों के तीव्र विरोध के बावजूद, उनकी चुप्पी ने ध्यान आकर्षित किया। इस घटना के महज दो दिन बाद, मुख्यमंत्री विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मेट्रो में सफर करते और मंदिर दर्शन करते नजर आए, जो उनकी संतुलित राजनीतिक रणनीति का स्पष्ट संकेत है।दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च के दौरान राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस पर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, लेकिन तमिलनाडु में सत्ताधारी गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी होने के बावजूद, मुख्यमंत्री विजय ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा।

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को चेन्नई दौरे पर थे। मुख्यमंत्री विजय ने एयरपोर्ट पर पहुंचकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दिलचस्प



बात यह है कि इससे ठीक एक दिन पहले, राहुल गांधी भी चेन्नई पहुंचे थे और मुख्यमंत्री विजय ने अपने आवास पर उनका स्वागत व दोपहर के भोजन का आयोजन किया था। 24 घंटे के भीतर ही प्रधानमंत्री मोदी का चेन्नई पहुंचना और मुख्यमंत्री विजय द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत करना, कई राजनीतिक कयासों को जन्म दे गया।मेट्रो प्रोजेक्ट के उद्घाटन के बाद, दोनों नेता आईआईटी मद्रास भी गए, जहां उनके साथ सीएम विजय भी

मौजूद थे। इसके बाद वे जलकंडेश्वर मंदिर में भी साथ दिखे। आधिकारिक कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री योगी आदित्यनाथ बरेली के दौरे पर आ रहे हैं, लेकिन इससे ठीक पहले जिले का राजनीतिक समीकरण बदल गया है। आंवला से लगातार दो बार सांसद रहे और पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे धर्मेन्द्र कश्यप ने भाजपा से इस्तीफा देकर रविवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात कर बड़ा

शुक्रवार को राहुल गांधी के चेन्नई पहुंचने पर भी मुख्यमंत्री विजय का कार्यक्रम शुरू में स्पष्ट नहीं था। यह भी पता नहीं था कि राहुल गांधी का उनके साथ दोपहर का भोजन होगा या नहीं। कांग्रेस के हलकों में भी यह माना गया कि यदि मुख्यमंत्री विजय स्वयं आगे नहीं बढ़ते, तो उन पर दबाव डालना उचित नहीं होगा। अंततः, विजय ने राहुल गांधी को अपने घर पर आमंत्रित किया और उनके साथ दोपहर का भोजन किया। इस पूरे घटनाक्रम पर जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री विजय अनावश्यक राजनीतिक बयानबाजी या विवाद में पड़े अपना काम करना चाहते हैं। उनका उद्देश्य राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से बेहतर तालमेल बनाए रखना है, साथ ही अपनी सरकार को स्थिर रखने के लिए गठबंधन सहयोगियों के साथ भी सामंजस्य स्थापित करना है। इसी कारण विजय ने न तो राहुल गांधी की अनदेखी की, और न ही प्रधानमंत्री मोदी के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने से इनकार किया, बल्कि दोनों के साथ एक संतुलन बनाए रखा।

बीजेपी पंचायत चुनाव में भी प्रशासन-पुलिस का दुरुपयोग दोहराएगी: अशोक गहलोत



जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोमवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायती राज चुनावों के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। गहलोत ने चेतावनी दी कि बीजेपी चुनावों में ‘पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग दोहराएगी।’ राजस्थान में पंचायती राज चुनाव 22 अक्टूबर से 16 नवंबर तक चार चरणों में होने वाले हैं। गहलोत ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि शहरी निकाय चुनावों की तरह बीजेपी पंचायती राज चुनावों में भी प्रशासन और पुलिस का दुरुपयोग निश्चित रूप से दोहराएगी। हमें लोगों को साथ लेकर इस बेईमानी का मुकाबला करना होगा। उन्होंने दावा किया कि अनियमितताओं के बावजूद कांग्रेस ने शहरी निकाय चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया और उसे बीजेपी के

करीब बराबर वोट मिले। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ग्रामीण इलाकों में मजबूत रही है और इसलिए पार्टी चुनाव जीतेगी। गहलोत ने कहा कि ये चुनाव पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है। यह हम सभी की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मैं जनप्रतिनिधियों से फोन पर बात भी कर रहा हूँ और कई साथियों से पहले ही बात कर चुका हूँ। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से गांवों का दौरा करने, लोगों के बीच रहने और बीजेपी से गतिविधियों के उजागर करने का आग्रह किया, जिन्हें उन्होंने अलोकतांत्रिक बताया। गहलोत ने कहा कि जब लोग हमारे साथ होते हैं, तो कोई भी प्रशासन या पुलिस उनके चुनावों को जांच नहीं छीन सकती।

मंत्री आठवले बोले- प्रधान का इस्तीफा ले लिया, ज्ञानेश को छोड़ो

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन न करने की सलाह कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को दी है। उन्होंने सीजेपी से छात्रों से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन करने का आग्रह किया, वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विपक्ष पर अराजकता फैलाने का आरोप भी लगाया। एक बयान में आठवले ने कहा कि सीजेपी को ज्ञानेश कुमार के मामले में पड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि सीजेपी का गठन नीट तरीका में हुए पेपर लीक के विरोध में हुआ था और उनकी मांगें, जिनमें तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा भी शामिल था, पूरी हो चुकी हैं। आठवले ने जोर दिया कि सीजेपी को छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा नीति, परीक्षा प्रणाली और इससे संबंधित अन्य कारणों पर आंदोलन करना चाहिए, न कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर। केंद्रीय मंत्री ने मुख्य चुनाव आयुक्त का बचाव करते हुए स्पष्ट किया कि जिन 13 करोड़ वोटों को काट दिया गया है, उनमें से 6 करोड़ ऐसे मतदाता हैं



जिनका स्थानांतरण हुआ है, यानी वे नौकरी या व्यवसाय के लिए एक जगह से दूसरी जगह गए हैं। उन्होंने बताया कि 1 करोड़ मतदाताओं के नाम दो जगहों पर थे, जिनमें से एक नाम हटाया गया, जबकि लगभग 3 करोड़ लोग लापता थे। आठवले ने जोर देकर कहा कि यह वोट चोरी नहीं है। राहुल गांधी के वोट चोरी संबंधी बयानों पर आठवले ने सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या राहुल गांधी अपने चुनाव क्षेत्र में अपनी पार्टी के सीटों की संख्या बढ़ने पर उसे वोट चोरी कहेंगे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस को सत्ता मिली थी, तब क्या वे भी वोट चोरी करते थे? आठवले ने चुनाव आयुक्त के

इस्तीफे की मांग को बेबुनियाद बताया हुए विपक्ष पर जानबूझकर अराजकता को निमंत्रण देने और लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। यह पहली बार नहीं है जब आठवले ने सीजेपी को चेतावाा हो। 3 अक्टूबर को भी उन्होंने सीजेपी के अभिजित दीपके को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री फडणवीस के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी बंद करने की चेतावनी दी थी। इस बीच, राजधानी दिल्ली में बड़े विरोध प्रदर्शनों की आशंका है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च का ऐलान किया है और देशभर से कार्यकर्ताओं को दिल्ली बुलाया है।

इसमें सुरक्षा व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत और सभा स्थल पर वाटरप्रूफ पंडाल की व्यवस्था शामिल है। धर्मेन्द्र कश्यप के नौ जिलों के करीब पांच हजार ग्राम प्रहरीयों से संवाद कर उन्हें सम्मानित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री बरेली कलब डॉ. देवेन्द्र यादव के लिए इसी सीट से टिकट की पैरवी कर रहे थे। इस आंतरिक खींचतान को देखते हुए अखिलेश यादव ने वीरपाल को लखनऊ बुलाकर समीकरणों पर चर्चा की है।

राहुल गांधी के आरोपों पर शिवराज का पलटवार, अराजकता फैलाकर सत्ता पाना चाहती है कांग्रेस

- कांग्रेस अब विदेशी ताकतों के हाथों की कदपुतली

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि पार्टी सत्ता हासिल करने के लिए देश में अराजकता फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर करने में जुटी है। उन्होंने कांग्रेस को गुंडों का समूह बताकर कहा कि पार्टी सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर व्यवस्था को चुनौती देना चाहती है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब विदेशी ताकतों के हाथों की कदपुतली बन गई है और सत्ता के लिए विभिन्न संगठनों तथा देशविरोधी ताकतों का सहारा ले रही है। बीजेपी नेता चौहान ने कांग्रेस की लगातार चुनावी हार के लिए उसके नेतृत्व को सीधे जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप

लगाया कांग्रेस की पुरानी आदत है। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग को दोष देने के बजाय पार्टी को अपने नेतृत्व की कमजोरियों और आंतरिक कलह पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों में कांग्रेस के भीतर जारी मतभेदों का जिक्र कर कहा कि पार्टी का नेतृत्व देश की जनता और उसके समस्याओं को समझने में विफल रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस ओडिशा में 26 साल,

नागालैंड में 23 साल, गोवा में 15 साल और दिल्ली में 13 साल से सत्ता से बाहर है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस एआईएडीएमके, बिहार में आरजेडी, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी या पंजाब और अन्य राज्यों में कांग्रेस के भीतर जारी मतभेदों का जिक्र कर कहा कि पार्टी का नेतृत्व देश की जनता और उसके समस्याओं को समझने में विफल रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस ओडिशा में 26 साल,

नागालैंड में 23 साल, गोवा में 15 साल और दिल्ली में 13 साल से सत्ता से बाहर है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस एआईएडीएमके, बिहार में आरजेडी, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी या पंजाब और अन्य राज्यों में कांग्रेस के भीतर जारी मतभेदों का जिक्र कर कहा कि पार्टी का नेतृत्व देश की जनता और उसके समस्याओं को समझने में विफल रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस ओडिशा में 26 साल,

भाजपा के कश्यप ने की अखिलेश से मुलाकात, यूपी में गरमा गई सियासत

- बरेली में मुख्यमंत्री के दौरे से पहले राजनीतिक भूचाल

बरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गहमागहमी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बरेली के दौरे पर आ रहे हैं, लेकिन इससे ठीक पहले जिले का राजनीतिक समीकरण बदल गया है। आंवला से लगातार दो बार सांसद रहे और पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे धर्मेन्द्र कश्यप ने भाजपा से इस्तीफा देकर रविवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात कर बड़ा सियासी दांव चला है।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बरेली में करीब साढ़े तीन घंटे रहेंगे। इस दौरान वे बरेली और मुरादाबाद मंडल के नौ जिलों के करीब पांच हजार ग्राम प्रहरीयों से संवाद कर उन्हें सम्मानित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री बरेली कलब डॉ. देवेन्द्र यादव के लिए इसी सीट से टिकट की पैरवी कर रहे थे। इस आंतरिक खींचतान को देखते हुए अखिलेश यादव ने वीरपाल को लखनऊ बुलाकर समीकरणों पर चर्चा की है।

जिसमें सुरक्षा व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत और सभा स्थल पर वाटरप्रूफ पंडाल की व्यवस्था शामिल है। धर्मेन्द्र कश्यप के पिछले कुछ दिनों में उठाए गए कदमों में जिले में राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई है। भाजपा से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी का रुख किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से उनकी मुलाकात के बाद पार्टी में उनके शामिल होने की चर्चा तेज हो गई है। इसकी विधिवत घोषणा 27 अक्टूबर को

लखनऊ में एक कार्यक्रम में की जाएगी, जहां वे अपने समर्थकों के साथ सपा में शामिल होंगे। धर्मेन्द्र कश्यप अपनी बेटी कीर्ति कश्यप को बिथरी चैनपुर सीट से चुनाव लड़ाने की इच्छा पहले ही जता चुके हैं, और उनकी अखिलेश यादव से मुलाकात को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। बरेली की सियासत में हलचल उस वक्त और तेज हो गई, जब सपा के वरिष्ठ नेता वीरपाल सिंह यादव को आंवला विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया। माना जा रहा है कि वीरपाल अपने बेटे डॉ. देवेन्द्र यादव के लिए बिथरी चैनपुर सीट से टिकट की पैरवी कर रहे थे, लेकिन इसी सीट पर धर्मेन्द्र कश्यप अपनी बेटी के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए ही सपा प्रमुख ने वीरपाल सिंह यादव और पूर्व मंत्री भावत शरण गंगवार को लखनऊ बुलाकर समीकरणों पर चर्चा की। चर्चा के बाद वीरपाल को आंवला की जिम्मेदारी सौंप दी गई, जिसे उनकी राजनीतिक भूमिका के लिहाज से अहम माना जा रहा है।



लगाया कांग्रेस की पुरानी आदत है। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग को दोष देने के बजाय पार्टी को अपने नेतृत्व की कमजोरियों और आंतरिक कलह पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों में कांग्रेस के भीतर जारी मतभेदों का जिक्र कर कहा कि पार्टी का नेतृत्व देश की जनता और उसके समस्याओं को समझने में विफल रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस ओडिशा में 26 साल,

नागालैंड में 23 साल, गोवा में 15 साल और दिल्ली में 13 साल से सत्ता से बाहर है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस एआईएडीएमके, बिहार में आरजेडी, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी या पंजाब और अन्य राज्यों में कांग्रेस के भीतर जारी मतभेदों का जिक्र कर कहा कि पार्टी का नेतृत्व देश की जनता और उसके समस्याओं को समझने में विफल रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस ओडिशा में 26 साल,



आपदा में जनहानि होने पर प्रभावित परिवार को 24 घण्टे के भीतर 04 लाख रु0 की सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश

प्रथम पृष्ठ का शेष
मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के कई क्षेत्रों में अभी भी अतिवृष्टि की शिकायतें आ रही हैं और नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। जहाँ बाढ़ के कारण कटान हुआ है, वहाँ तत्काल बचाव एवं राहत कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। वी0बी0जी0राम0जी0 के अन्तर्गत भी बाढ़रोधी एवं बाढ़ बचाव हेतु कार्य किए जा रहे हैं। अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों और बाधित आवागमन को भी प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त कराया जा रहा है। इसके लिए सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, नगर विकास विभाग, आवास विभाग और विकास प्राधिकरणों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। आपदा के कारण सड़क अथवा अन्य सार्वजनिक परिसम्पत्तियों को हुए नुकसान की मरम्मत के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मौसम अनुकूल होते ही कार्य प्रारम्भ कर आवागमन को सामान्य बनाया जाए। मुख्यमंत्री जी ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय था, जब पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में सरकार 100 रुपये भेजती थी, लेकिन लाभार्थी तक केवल 15 रुपये ही पहुँचते थे। पहले किसान की फसल का

नुकसान होता था, लेकिन सहायता की राशि रास्ते में ही गायब हो जाती थी। वर्तमान व्यवस्था में किसान के हक का पैसा सीधे उसके खाते में पहुँच रहा है। आज दी जा रही 493 करोड़ रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में सीधे धनराशि पहुँचायी जा रही है। प्रधानमंत्री जी ने डिजिटल व्यवस्था और डायरेक्ट बेंचिफिट ट्रांसफर (डी0बी0टी0) के माध्यम से यह सुनिश्चित किया है कि सरकार द्वारा भेजा गया पैसा सीधे लाभार्थी तक पहुँचे। अब किसान के लिए स्वीकृत राशि सीधे उसके खाते में जाती है। बीच में न कोई बिचौलिया है और न ही किसी प्रकार की कटौती की गुंजाइश। वर्तमान सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने और उन्हें आपदा के समय तत्काल राहत पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकता है कि किसान, नागरिक, व्यापारी अथवा युवा किसी भी प्रकार की परेशानी में स्वयं को अकेला न समझें। सरकार हर सुख-दुःख में उनके साथ खड़ी रहेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आपदा से होने वाली जनहानि को रोकने के लिए तकनीक का उपयोग करते हुए कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं की हैं। वर्ष 2017 से पहले आकाशीय बिजली

गिरने की घटनाओं में बड़ी संख्या में लोगों की जान चली जाती थी। अब प्रदेश के कई जनपदों में अलॉ वर्निंग सिस्टम स्थापित किए गए हैं, जो सम्भावित आकाशीय बिजली गिरने की जानकारी पहले ही उपलब्ध कराते हैं। इस व्यवस्था के माध्यम से सम्बन्धित क्षेत्र के लोगों को एस0एम0एस0 अथवा टेलीफोन के जरिए अलर्ट भेजा जाता है, ताकि वे समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुँच सकें। लोगों को सलाह दी जाती है कि आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी मिलने पर खुले आसमान के नीचे न रहें, पेड़ों के नीचे आश्रय न लें और किसी सुरक्षित पक्के भवन में चले जाएँ। इस व्यवस्था से बड़े पैमाने पर जनहानि रोकने में सहायता मिली है। इसके बावजूद यदि दुर्भाग्यवश किसी किसान, बटाईदार अथवा किसान परिवार के सदस्य को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मृत्यु होती है, तो मुख्यमंत्री कृषक दुष्टटना कल्याण योजना के अन्तर्गत सम्बन्धित परिवार को 05 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रभावित परिवार को निर्धारित समय के भीतर सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्षा की मात्रा का आकलन करने के लिए रेन गेज लगाए गए

हैं। इससे यह पता लगाने में मदद मिलती है कि किस क्षेत्र में कितनी वर्षा हुई है और कहाँ राहत की आवश्यकता है। डिजिटल सर्वे, मौसम सम्बन्धी चेतावनी और प्रत्यक्ष सहायता के माध्यम से सरकार आपदा के प्रभाव को कम करने तथा किसानों को समय पर राहत उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में किसानों को जो सहायता दी जा रही है, उससे पहले भी प्रदेश सरकार बाढ़, चक्रवात और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए 169 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। इसके अतिरिक्त , 1,29,326 किसानों को फसल क्षति के लिए 78.75 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध करायी गई है। जनहानि, पशुधन की हानि और मकानों की क्षति के मामलों में भी 225 करोड़ 93 लाख रुपये की सहायता पहले ही वितरित की जा चुकी है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल सहायता राशि जारी करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि वह पात्र व्यक्ति तक समय से पहुँचे। इसी क्रम में जारी की कुछ प्रभावित किसानों को क्षतिपूर्ति की राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री जी ने कैम्पियरगंज क्षेत्र के श्री बेरझवी को 25,670 रुपये, श्री बेचन प्रसाद को 22,951 रुपये, श्री जोखन को

22,841 रुपये, श्री सम्पत को 22,372 रुपये और श्री परमहंस को 22,219 रुपये की धनराशि सीधे बैंक खाते में भेजे जाने का उल्लेख किया। इसी प्रकार, सदर तहसील के श्री चन्द्र प्रकाश द्विवेदी को 11,811 रुपये और श्री धरनीधर को 11,808 रुपये, गोला क्षेत्र के श्री गिरिजापति त्रिपाठी को 34,000 रुपये, श्री कमलेश को 26,520 रुपये, श्री रामदरश को 27,914 रुपये, श्री जनार्दन प्रसाद को 24,633 रुपये तथा श्री राणा प्रताप सिंह को 22,355 रुपये की सहायता दी गई। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले किसानों को क्षतिपूर्ति के नाम पर 02 रुपये, 04 रुपये या 15 रुपये जैसी बहुत छोटी-छोटी धनराशियाँ मिलती थीं। आज सरकार किसानों के वास्तविक नुकसान का आकलन कर उन्हें सहायता उपलब्ध करा रही है। सरकार के एग्जेंडे में अन्नदाता किसान, युवा, महिलाएँ और गरीब सभी शामिल हैं। इन वर्गों के हितों की रक्षा करना और संकट की घड़ी में उनके साथ ख ेना होना सरकार का दायित्व है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार बनने के बाद हमने प्रदेश के 86 लाख किसानों का 36,000 करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया। पहले किसानों को बिजली का बिल तो मिलता था, लेकिन पर्याप्त बिजली नहीं मिलती थी। वर्तमान सरकार ने व्यवस्था में

बदलाव करते हुए किसानों को बिजली उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया है। 16 लाख निजी ट्यूबवेल को नि:शुल्क बिजली दी है। नहरों का जाल बिछाया है। आज प्रदेश में नये ट्यूबवेल स्थापित किए जा रहे हैं तथा किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध करायी जा रही हैं। प्रदेश में अब तक 22 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। समय पर बिजली, बीज, उर्वरक और सिंचाई की व्यवस्था किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सरकार इसी दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है, ताकि किसान बेहतर उत्पादन कर सकें और उनकी आय में वृद्धि हो। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसानों को उपज की उचित खरीद और उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में प्रोत्सायमेण्ट सेक्टर स्थापित किया जा रहे हैं। अतिवृष्टि के कारण कुछ क्षेत्रों में खरीद केंद्रों की व्यवस्था को परिस्थितियों के अनुसार आगे ब ेगाया गया है। जिन जनपदों में अधिक वर्षा नहीं हुई है, वहाँ 12 अक्टूबर से खरीद केंद्र शुरू किए जा रहे हैं, जबकि अतिवृष्टि से अधिक प्रभावित जनपदों में 15 अक्टूबर से धान तथा मोटे अनाज-

ज्वार, बाजरा और मक्का की खरीद के लिए केंद्र शुरू किए जाएंगे। खरीद केंद्रों पर किसानों की उपज खरीदने में किसी प्रकार की अनावश्यक रोक-टोक नहीं होनी चाहिए। सरकार की मंशा है कि किसान जहाँ अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर सके, वहाँ उसे बेचने की सुविधा मिले। सरकार किसानों की उपज खरीदेगी और भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में डी0बी0टी0 के माध्यम से भेजा जाएगा। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए खरीद की व्यवस्था को सुचारु बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अन्नदाता किसान समृद्ध होगा, तभी देश समृद्ध होगा। किसानों के सम्मान और उनके हितों की रक्षा के लिए भारत सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित कर किसानों के योगदान का सम्मान किया है। आज गोरखपुर से शुरू की जा रही सहायता विवरण की यह पहल प्रदेश के सभी प्रभावित किसानों के लिए है। आपदा में जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति उनकी गहरी संवेदना है। राज्य सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है और उसे हर सम्भव सहयोग उपलब्ध कराएगी। कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद किसानों से किए गए वादों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया। किसानों के 36,000 करो 2 रुपये के कर्ज माफी के साथ उनकी उपज की खरीद की बेहतर व्यवस्था की गई और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद को विस्तार दिया गया। पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में वर्तमान सरकार ने गेहूँ और धान की खरीद तीन गुना से अधिक बढ़ाई है। गेहूँ और धान के साथ चना, मटर, मसूर, सरसों, मक्का, बाजरा और ज्वार जैसी फसलों की खरीद को भी बढ़ावा दिया गया है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार अब तक किसानों के हित में लगभग 69,163 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। यह किसानों को समय पर बीज, बिजली, उर्वरक और अन्य कृषि निवेश उपलब्ध कराने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की दृष्टांत है। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले वर्ष रिकॉर्ड 752 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। किसानों की उपज का समय से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

छात्रा से दुष्कर्म व अश्लील वीडियो बनाने का आरोप, शादी टूटने के बाद देता था धमकी

वाराणसी। मिर्जामुराद थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा ने पड़ोसी युवक और उसके शिक्षक पिता के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। छात्रा ने पुलिस को दी तहरीर में करीब दो वर्ष पुरानी घटना का उल्लेख करते हुए युवक पर शादी का झांसा देकर जबर्न शारीरिक संबंध बनाने और अश्लील वीडियो तैयार करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छात्रा के मुताबिक, वर्ष 2023-24 में वह कक्षा 11 में पढ़ती थी। कॉलेज जाते समय पड़ोसी युवक ने बाइक

से स्कूल छोड़ने की बात कहकर उसे अपने साथ बैठाया। आरोप है कि युवक उसे वाराणसी स्थित अपने आवास पर ले गया, जहां उसने साथ जबर्न शारीरिक संबंध बनाए और उसका अश्लील वीडियो बना लिया। छात्रा का कहना है कि लोकलाज और सामाजिक दबाव के कारण उसने उस समय घटना की जानकारी इसी को नहीं दी। तहरीर के अनुसार, बाद में छात्रा की शादी तय हो गई। आरोप है कि इसकी जानकारी होने पर युवक ने 17 सितंबर को उसके ससुराल पक्ष के लोग को कथित अश्लील वीडियो भेज दिया। आरोपे बाद शादी टूट गई। छात्रा ने आरोप लगाया कि

शादी टूटने के बाद युवक वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उस पर दोबारा शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। छात्रा का आरोप है कि उसने मामले की शिकायत युवक के शिक्षक पिता से भी की थी। आरोप है कि युवक के पिता ने भी उसे परिवार के खिलाफ कहीं शिकायत नहीं करने की धमकी दी। तहरीर में छात्रा ने आरोप लगाया कि शिकायत करने पर परिवार की प्रतिष्ठा प्रभावित होने की बात कहते हुए उसे जान से मरवाने की धमकी दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी गोपाल जी कुशवाहा ने बताया कि घटना करीब दो वर्ष पुरानी बताई जा रही है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर अग्रे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर जिस बस में जलकर 9 लोगों की मौत हो गई उसे परिवहन विभाग ने क्लीन फिट दी है। विभाग की प्राथमिक जांच में सभी मानक दुरुस्त पाए गए हैं। बस में किसी तरह की खराबी या कमी नहीं मिली। जिला परिवहन विभाग की कार्रवाई में बस में सीटों की बीच बने गलियारे को भी दुरुस्त बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार बस के अंदर के गलियारे की चौड़ाई 450 एमएम होनी चाहिए। जांच में इसे 650 एमएम मापा गया है। आरटीओ प्रवर्तन गाजियाबाद डॉ. सियासम वर्मा ने बताया कि प्राथमिक जांच में सभी मानक बिल्कुल सही पाए गए हैं। जिसके आधार पर आगे की जांच को अंजाम दिया जाएगा। विभाग की जांच में जांच में सिर्फ एक फायर एक्सटिंग्विशर प्राप्त होने की पुष्टि की गई है। इसके अलावा

कोई कमी नहीं मिली है। बस हादसे की जांच करने के लिए अब लखनऊ से अधिकारियों की टीम शहर में आएगी। मुख्यालय स्तर से टीम गठित की जाएगी। बताया जा रहा है कि जिले स्तर की जांच के बाद ये निर्णय लिया गया है। स्लीपर बस में ज्वलनशील सामान इतनी बड़ी मात्रा में ढोकर ले जाने को अधिकारियों ने जांच के दौरान नजरअंदाज कर दिया। इतनी बड़ी लापरवाही होने के बाद भी परिवहन विभाग की जांच में कोई खामी नहीं दर्शाई गई। जबकि छत पर लगे कैमियर और बस के अंदर के गलियारे और डिग्री में काफ़ी सामान रखा था। यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण बस हादसे के बाद एक निजी सैजेंसी बस की जांच की। शुरुआती जांच में तकनीकी टीम ने जांच के दौरान पाया कि बस में यात्रियों की सुरक्षा के लिए बनाए गए आपातकालीन द्वार को पूरी तरह से ब्लांक कर दिया गया

था, जिससे आपात स्थिति में यात्रियों का निकलना मुश्किल हो गया। इसके अलावा, बस में क्षमता से अधिक सामान लादा गया था। 36 सवारियों के बैठने की क्षमता वाली इस बस में यात्रियों के साथ-साथ क्षमता से अधिक माल भरा हुआ था। निरीक्षण के दौरान बस के मलबे से इन्फिटेयन काई, नेल पॉलिश, जॉस, मोबाइल स्क्रीन, बिजली के तार, कॉपियां, कलर पेंसिल, जले नोट और भार के रोल समेत भारी मात्रा में ज्वलनशील वस्तुएँ बरामद हुई हैं। भीषण अफिगांड का शिकार हुई रात कल्पना टैवल्स की बस को लेकर अहम खुलासे हुए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि इस बस का बीमा

था, जिससे आपात स्थिति में यात्रियों का निकलना मुश्किल हो गया। इसके अलावा, बस में क्षमता से अधिक सामान लादा गया था। 36 सवारियों के बैठने की क्षमता वाली इस बस में यात्रियों के साथ-साथ क्षमता से अधिक माल भरा हुआ था। निरीक्षण के दौरान बस के मलबे से इन्फिटेयन काई, नेल पॉलिश, जॉस, मोबाइल स्क्रीन, बिजली के तार, कॉपियां, कलर पेंसिल, जले नोट और भार के रोल समेत भारी मात्रा में ज्वलनशील वस्तुएँ बरामद हुई हैं। भीषण अफिगांड का शिकार हुई रात कल्पना टैवल्स की बस को लेकर अहम खुलासे हुए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि इस बस का बीमा

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री रम चरण (पिता श्री गोम्भी) खसम नंर 558 से से 60 वर्ष गज के प्लेट नंर 246 के मालिक थे। यह मालिकाना हक उन्हें श्री ब्रजम (पिता श्री धर्म सिंह) द्वारा श्री रम चरण (पिता श्री गोम्भी) के पक्ष में 15.04.1986 को निष्पादित GPA और

NAME CHANGE
I, hitherto known as Alok Mishra S/o Bhudeo Prasad Mishra R/o C-1205, Saviour Greenarch, GH-10A, Thechzone - IV, Ek Murti Chowk, Greater Noida, Bishrakh, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306, have changed my name to PRIYAN-KA NAUTIYAL for all purposes.

NAME CHANGE
I, Seema Sharma R/o H.No.B-20, Street No.4, Maujpur, Delhi-110053 have changed my name to Seema Mishra.

NAME CHANGE
I,Virendra Kumar Sharma R/o H.No.B-20, Street No.4, Maujpur, Delhi-110053 have changed my name to Virendra Kumar Mishra.

NAME CHANGE
JABBS YUSUF SHAHK/D/O YUSUF SHAHK/R/O 1/0726 GALI NO.2, SUB-HASH PARK, SHAHDARA DELHI-110032 HAVE CHANGED MY NAME TO POONAM KINNAR SHAHK FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Naose Ali S/o Nanha Miya R/O B-372, Sector - 20, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 have changed the name of my minor Son Ramhan Ali aged 9 years and he shall hereafter be known as Arhan Ali

NAME CHANGE
I,Mohd Ali S/O Momin R/O H. No. 49, Gali No-15, Kanchan Park , Loni Dehat, PO:Loni DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Alikhan

NAME CHANGE
I, Ravindra Singh S/O Kanchhi Singh R/O H.No.329 Thana Dankaur Nawada Dankaur Gautam Buddha Nagar, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -203201, have changed my name and shall hereafter be known as Mukhram

Public Notice

I, Pankil S/O Lakhiram, R/o Khandawli, Meerut, aged about 22 years, my brother-in-law Late Rajivr [o Rajbir expired on 22/04/2025 due to road accident, thereafter his wife Late Manju, resident of Village Chamrawal, P.S. Charawal, District Baghpatt, UP, has also expired due to natural death on 26/06/2026, after the death of both parents, the two minor children namely 1) Harishh aged about 16 years and 2) Aarushi aged about 6 years are residing with and being taken care of by me i.e. their maternal uncle (Mama) since the death of their parents, the said children are under my care, custody and guardianship and I am looking after their education, maintenance and all other daily needs there is no other person to look after the said minor children except me and no one has any objection to my guardianship.

NAME CHANGE
I, Seema Sharma R/o H.No.B-20, Street No.4, Maujpur, Delhi-110053 have changed my name to Seema Mishra.

NAME CHANGE
I,Virendra Kumar Sharma R/o H.No.B-20, Street No.4, Maujpur, Delhi-110053 have changed my name to Virendra Kumar Mishra.

NAME CHANGE
JABBS YUSUF SHAHK/D/O YUSUF SHAHK/R/O 1/0726 GALI NO.2, SUB-HASH PARK, SHAHDARA DELHI-110032 HAVE CHANGED MY NAME TO POONAM KINNAR SHAHK FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Naose Ali S/o Nanha Miya R/O B-372, Sector - 20, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 have changed the name of my minor Son Ramhan Ali aged 9 years and he shall hereafter be known as Arhan Ali

NAME CHANGE
I,Mohd Ali S/O Momin R/O H. No. 49, Gali No-15, Kanchan Park , Loni Dehat, PO:Loni DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Alikhan

NAME CHANGE
I, Ravindra Singh S/O Kanchhi Singh R/O H.No.329 Thana Dankaur Nawada Dankaur Gautam Buddha Nagar, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -203201, have changed my name and shall hereafter be known as Mukhram

NAME CHANGE
I, Seema Sharma R/o H.No.B-20, Street No.4, Maujpur, Delhi-110053 have changed my name to Seema Mishra.

NAME CHANGE
I, Virendra Kumar Sharma R/o H.No.B-20, Street No.4, Maujpur, Delhi-110053 have changed my name to Virendra Kumar Mishra.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MRS. MADHU ANAND IS OWNER AND IN POSSESSION OF BUILT-UP PROPERTY BEARING NO. 52/58-A, ENTIRE SECOND FLOOR, WITHOUT TERRACE ROOF RIGHTS AREA, MEASURING 50 SQ. YARDS, GALI NO. 18, SITUATED AT ANAND PRABAT DELHI, AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GPA, ATS AND WILL DEED DATED 04.05.2016 EXECUTED BY MR. BRJU MOHAN ANAND IN FAVOUR OF MRS. MADHU ANAND. NOW MR. NARENDRA KUMAR IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MRS. MADHU ANAND, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASE OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुंबईकल श्रीमती ओम्पक्ली देवी पत्नी श्री रविन्द्र सिंह, निवासी ग्राम सभापिपूर, मैना, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201310, एक अनासक्त प्लाट संख्या ए - 24, क्षेत्रफल 75 वर्ग गज, खसम संख्या 224, स्थित श्री राधा गुप्त कॉलोनी, ग्राम , ग्राम समाजउदीनपुर/समाधिपुर, परगना व, तहसील दारदर , जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतीनी फसली वर्ष 1421-1426/1427-1432 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संजित भार मुक है , न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहीत है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुंबईकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती बिट्टु देवी पत्नी श्री सियासम को बेच रहे है जो आधार हाइडिंग फार्नेशन लिंग, शाखा आर डी सी, राज नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फार्नेशन किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को ठक कथित सम्पत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो तो अपोहताहारी या आधार हाइडिंग फार्नेशन लिंग के सम्बंध इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संस्कृत करें, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दाय्य अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
रूम - डी-803, नंदग्राम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री प्रेम कुमार (पिता श्री भागवत प्रसाद) प्लेट नंर B-346/15 (खसम नंर 317 में से, क्षेत्रफल 55 वर्ग गज) के मालिक थे। यह मालिकाना हक उन्हें 12.05.2003 को रजिस्टर्ड GPA (खंम्बुपट्टे नंर 20162), 12.05.2003 के नोटरीकृत निपट एग्रीमेंट और श्रीमती चंदर वती (पत्नी श्री भागवत) द्वारा श्री प्रेम कुमार के पक्ष में बनाई गई वसीयत से मिला था। इसके बाद, श्री प्रेम कुमार ने 30.09.2026 को एक निपट डीड के जरिए यह संपत्ति अपने बेटे श्री योगेश कुमार के नाम कर दी। यह डीड SR-यमुना विहार में खंम्बुपट्टे नंर 2026/84/1319 (बुख नंर 1, बंल्लूपुर नंर 32, बंर नंर 119-138) के तहत 30.09.2026 को रजिस्टर हुई थी। इस तरह श्री योगेश कुमार रजिस्ट्रेशन बिल्ट-अप अरर ग्राउंड परमाणु (बिना छत के अधिकारी के, क्षेत्रफल 45.98 वर्ग मीटर यानी 55 वर्ग गज) के मालिक बने, जो प्लेट नंर B-346 (खसम नंर 317 में से) पर स्थित है और गंग मंडा गुर्जन खोदर, B-वर्ल्डक, नजरपुर, मथुरा, दिल्ली इलाके में आता है। श्री प्रेम कुमार ने उक्त संपत्ति के संबंध में अपने बेटे श्री योगेश कुमार के पक्ष में एक कंसेलर डीड (युद्धर किल्ले) भी निष्पादित की थी। [गिफ्ट डीड में प्रॉपर्टी के पते में सुधार, यानी गली नंर 15 जोड़ने के संबंध में], और इस प्रॉपर्टी के लिए SMFG इंडिया होम फर्नेस कंपनी लिमिटेड से फर्नेस लिया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी उक्त प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/दायित्व है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 15 दिनों के भीतर नोट दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SGR Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P. E-MAIL: sgassociatesllp@gmail.com. Ph: 8130309204

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक,
गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रतिष्ठा प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रियल एरिया टोपिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurpur, Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814

मोबाइल नंबर : 9312262300

E-mail:- qpatrika@gmail.com

Website:- www.gauimpatrika.in

R.N.I. No.

UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:

Advocate Mohd. Sajid

Advocate Dr. A.P.Singh

Advocate Munishi Sharma

Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बिजलीघरों में कोयला संकट टला, भंडार घटने की रफतार में भारी गिरावट

अक्टूबर में प्रतिदिन औसत कमी 2.4 लाख टन से घटकर 60,000 टन हुई

नई दिल्ली ।

देश के ताप बिजलीघरों में कोयले के भंडार घटने की रफतार में अक्टूबर महीने के पहले दस दिनों में भारी कमी आई है, जिससे ऊर्जा संकट की आशंकाएं कम हुई हैं। सरकार ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि कोयले की आपूर्ति बेहतर होने के कारण अब दैनिक खपत के अनुरूप उपलब्धता बनी हुई है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि 29 सितंबर से कोयले का भंडार लगातार 1.8 करोड़ टन से ऊपर बना हुआ है, जो स्थिति में स्थिरता का संकेत है। कोयला मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 29 सितंबर को बिजलीघरों में कोयले का भंडार 1.8932 करोड़ टन था, जो 10 अक्टूबर को घटकर 1.8205 करोड़ टन रह गया। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि सितंबर में बिजलीघरों में कोयले का भंडार निचले स्तर पर आ गया था। सितंबर में पूरे महीने कोयले का भंडार करीब 72.8 लाख टन घटा था, इस दौरान औसतन प्रतिदिन करीब 2.4 लाख टन की कमी आई थी। वहीं, अक्टूबर के पहले 10 दिन में कुल मिलाकर केवल 5.6 लाख टन कोयला घटा, जिससे प्रतिदिन औसतन लगभग 60,000 टन की कमी दर्ज की गई। यह सितंबर की तुलना में चार गुना से अधिक धीमी रफतार है, जो आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने इस सकारात्मक बदलाव का श्रेय मालगाड़ियों में कोयला लादने की संख्या बढ़ने को दिया है। इस वर्ष एक से 10 अक्टूबर के दौरान बिजली क्षेत्र के लिए प्रतिदिन औसतन 469 रैक कोयला लादा गया, जबकि सितंबर में यह औसत 426 रैक था, इसमें करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप, अक्टूबर में बिजली क्षेत्र को प्रतिदिन औसतन 24.9 लाख टन कोयले की वास्तविक आपूर्ति हुई, जबकि सितंबर में यह 22.1 लाख टन प्रतिदिन थी।

छात्रों के लिए एयर इंडिया का तोहफा, फ्लाइट टिकट पर 10 फीसदी छूट

10 किलो अतिरिक्त सामान और एक बार नुपत तारीख बदलने की सुविधा भी उपलब्ध

नई दिल्ली ।

अगर आप कॉलेज में पढ़ते हैं और छुट्टियों में घर जाने या पढ़ाई या इंटरनशिप के लिए फ्लाइट से सफर का प्लान बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए है। एयर इंडिया ने छात्रों के लिए एक विशेष स्टूडेंट प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके तहत घरेलू उड़ानों के बेस फेयर पर 10 फीसदी की आकर्षक छूट मिल रही है। यह ऑफर सिर्फ टिकट पर ही नहीं, बल्कि कई अन्य फायदों के साथ आता है, जिससे आपकी हवाई यात्रा और भी सुविधाजनक और किफायती बन जाएगी। इस सीमित अवधि के ऑफर का लाभ उठाने के लिए छात्रों को 20 अक्टूबर तक टिकट बुक करना होगा। इस प्रोग्राम के तहत, छात्र सामान्य सामान के साथ 10 किलोग्राम अतिरिक्त बैगेज ले जा सकते हैं और अपनी यात्रा की तारीख को एक बार बिना किसी शुल्क के बदलवा सकते हैं। वेबसाइट या ऐप के माध्यम से बुकिंग करने वाले छात्रों को कन्वीनियंस फीस पर 50 फीसदी की छूट भी मिलेगी। इसके अतिरिक्त, घरेलू बुकिंग पर यूपीआई से भुगतान करने और यूपीआईआरओएमओ कोड का उपयोग करने पर 10000 रुपये तक की अतिरिक्त छूट का लाभ भी उठाया जा सकता है।

इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए छात्र की उम्र यात्रा की तारीख पर कम से कम 12 वर्ष होनी चाहिए और वह किसी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान में फुल-टाइम कोर्स का छात्र होना चाहिए। यात्रा के दौरान, छात्रों को अपना वैध आईडी कार्ड या एडमिशन लेटर साथ रखना अनिवार्य होगा। टिकट बुक करने के लिए, एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जाएं, कंसेसन टाइप में स्टूडेंट विकल्प चुनें और अपनी बुकिंग पूरी करें।

त्योहारी सीजन में रसोई गैस के दामों में राहत, कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

देशभर के लाखों घरों के लिए राहत भरी खबर है। आगामी दशहरा, दीवाली और छठ पूजा जैसे बड़े त्योहारों से पहले 12 अक्टूबर को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जिससे महीने के घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। प्रमुख शहरों में घरेलू और कर्मशियल सिलेंडर की कीमतें आज भी पूर्ववत बनी हुई हैं।

राजधानी दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942.00 रुपये और कर्मशियल सिलेंडर 2,810.00 रुपये में उपलब्ध है। आर्थिक राजधानी मुंबई में घरेलू गैस सिलेंडर 912.50 रुपये का मिल रहा है, जबकि कोलकाता में यह 945.00 रुपये में उपलब्ध है। वहीं पटना जैसे कुछ शहरों में घरेलू सिलेंडर की कीमत 1,000.00 रुपये के पार (1,000.00 रुपये) बनी हुई है।

स्टारलंक विवादः भारत में एंट्री पर मस्क ने अंबानी को घेरा, 9 देशों में बैन

मस्क का आरोप: कुछ उद्योगपति अपने एकाधिकार को बनाए रखने स्टारलंक को रोक रहे हैं

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की सैंटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलंक भारत में एंट्री को लेकर बड़े विवादों में धिर गई है। लाइसेंस मिलने में देरी से नाराज मस्क ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी पर एकाधिकार बनाए रखने और स्टारलंक की तकनीक को आम नागरिकों तक पहुंचने से रोकने का

आरोप लगाया है। इस मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। वहीं दुनिया के कई बड़े देशों में सुरक्षा कारणों से यह सेवा पहले से ही पूरी तरह प्रतिबंधित है। मस्क ने अंबानी को प्रधानमंत्री अंबानी व भारत का असली बॉस तक कह डाला। उनका आरोप है कि कुछ उद्योगपति अपने एकाधिकार को बनाए रखने के लिए स्टारलंक को रोक रहे हैं। भारत सरकार की

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 547, निफ्टी 157 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार टूटा है। वहीं अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी से भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। इस चौतरफा दबाव के कारण घरेलू बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 547.65 अंक की गिरावट के

साथ ही 71,924.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई (निफ्टी) भी 157.10 अंक नीचे आकर 22,363.35 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की बड़ी कंपनियों में जमकर मुनाफावसूली दर्ज की गयी। आज एफएमसीजी और आईटी शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली रही। आईटीसी , टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर , लार्सन एंड टुब्रो , भारतीय स्टेट बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स), महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक के शेयर उछले। वहीं आज एशियाई बाजारों में भी गिराट रही।

ईंधन की कीमतें स्थिर, शहरों में बरकरार अंतर

प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दाम लगभग अपरिवर्तित रहे

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल के नए दाम सुबह 6 बजे अपडेट कर दिए हैं।

देशभर में ईंधन की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है, लेकिन स्थानीय करों और शुल्कों के कारण विभिन्न शहरों में दाम अलग-अलग बने हुए हैं।

घर से निकलने से पहले अपने शहर के ईंधन भाव जांच लेना हमेशा उचित रहता है। राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है।

दिल्ली में पेट्रोल 102.12 पये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर है। वहीं, आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चेन्नई और नोएडा जैसे शहरों में भी कीमतें लगभग अपरिवर्तित हैं, जहां पेट्रोल 107.77 रुपये (चेन्नई) और डीजल 99.55 रुपये (चेन्नई) है। सीएनजी की बात करें तो नई दिल्ली में यह 86.98 रुपये प्रति किलो उपलब्ध है, जबकि मुंबई में 88 रुपये और चेन्नई में 99.5 रुपये प्रति किलो दर्ज की गई हैं। हैदराबाद में सीएनजी 112 रुपये और अहमदाबाद में 94.02 रुपये प्रति किलो है।

हमारे शेयर दो! फिलपकार्ट के पूर्व कर्मचारियों का वॉलमार्ट को अल्टीमेटम

- 4 अरब डॉलर के शेयर विकल्प भुनाने की मांग

मुंबई ।

ई-कॉमर्स दिग्गज फिलपकार्ट समूह के 1,000 से अधिक पूर्व कर्मचारियों ने अपनी मूल कंपनी वॉलमार्ट और फिलपकार्ट के निदेशक मंडल से सामूहिक अपील की है। उन्होंने करीब 4 अरब डॉलर मूल्य के अपने शेयर विकल्पों को भुनाने या बेचने की अनुमति मांगी है। यह मांग ऐसे समय में आई है जब फिलपकार्ट के बहुप्रतीक्षित आईपीओ में लगातार देरी हो रही है और पूर्व

कर्मचारी खुद को वर्तमान कर्मियों की तुलना में वंचित महसूस कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, फिलपकार्ट के साथ-साथ मित्रा, क्लियरट्रिप और शॉप्सी जैसी समूह की कंपनियों के पूर्व कर्मचारी इस अभियान में शामिल हैं। उन्होंने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं- पहला, मौजूदा कर्मचारियों के लिए उपलब्ध शेयरों से पैसा हासिल करने का अवसर पूर्व कर्मचारियों तक भी बढ़ाया जाए। दूसरा, नौकरी छोड़ने के बाद शेयर विकल्प भुनाने की समय सीमा को



दक्षिण कोरिया का कॉम्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में मामूली बढ़त रही। भारतीय शेयर बाजार ने सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को

मजबूत शुरुआत की है।सेंसेक्स 361.65 अंक बढ़कर 72,833.98 पर और निफ्टी 122.05 अंक की तेजी के साथ 22,642.50 पर कारोबार कर रहा था।

सीमेंट की कीमतों में भारी उछाल संभव, घर बनाना होगा महंगा

अक्टूबर के मध्य से 10 से 15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ सकती हैं सीमेंट की कीमतें

नई दिल्ली ।

देश में घर बनाने वालों और निर्माण उद्योग को जल्द ही महंगाई का एक और झटका लग सकता है। एमके रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगातार बढ़ती इनपुट लागत और मजबूत मांग के दबाव में सीमेंट कंपनियां अक्टूबर के मध्य से प्रति बैग 10 से 15 रुपये की बढ़ोतरी कर सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 12 अक्टूबर से यह बढ़ोतरी प्रभावी होने की प्रबल संभावना है। कंपनियों के लिए ईंधन (पेटकोक, आयातित कोयला) और आगामी चुनाव से पहले की गतिविधियों के कारण खपत अच्छी बनी हुई है, और अगले डेढ़ साल तक इसमें तेजी बनी रहने की उम्मीद है। प्लांट विस्तार में देरी

पिछली तिमाही की तुलना में क्रमशः लगभग 20 फीसदी और 16 फीसदी अधिक है। पहली तिमाही में की गई मामूली मूल्य वृद्धि भी इन खर्चों की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं थी, जिसे जुलाई-अगस्त में मॉनसून के कारण आई कीमतों में गिरावट ने और बढ़ा दिया। हालांकि, मजबूत बिक्री (वॉल्यूम ऑफ़सेट) इस सेक्टर को सहारा दे रही है। गैर-व्यापारिक मांग, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और आगामी चुनाव से पहले की गतिविधियों के कारण खपत अच्छी बनी हुई है, और अगले डेढ़ साल तक इसमें तेजी बनी रहने की उम्मीद है। प्लांट विस्तार में देरी

रुपया 91 पैसे उछलकर 95.80 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया शुक्रवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ 96.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

12 अक्टूबर (भाषा) रुपया सप्ताह के पहले े दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में 91 पैसे मजबूत होकर 95.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुद्रा विनिमय बाजार में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाने के बाद घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला है। केंद्रीय बैंक ने शनिवार को कई उपायों की घोषणा की थी।

इनमें नामित बैंकों के जरिये तेल विपणन कंपनियों के लिए डॉलर की अलग व्यवस्था और विदेशी मुद्रा जोखिम से बचाव वाले कुछ सौदों की लागत बढ़ाना शामिल है। इन कदमों का उद्देश्य हाजिर बाजार में डॉलर की मांग घटाना और संटेंबाजी वाली कारोबारी स्थितियों पर अंकुश लगाना है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि इन उपायों से कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत डॉलर के दबाव के बावजूद भारतीय मुद्रा को संभलने में मदद मिलने की उम्मीद है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मजबूत होकर 95.61 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में इसकी बढ़त कुछ कम हुई और यह 95.80 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव के मुकाबले इसमें 91 पैसे की तेजी है। रुपया शुक्रवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ 96.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे एक दिन पहले यह 13 पैसे गिरकर डॉलर के मुकाबले 96.88 के रिकॉर्ड निचले बंद स्तर पर पहुंच गया था।



के कारण क्लिंकर यूटिलाइजेशन रेट 79 फीसदी तक पहुंच गया है, जिससे बाजार में आपूर्ति-मांग संतुलित बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, इनपुट लागत में 300-400 रुपये प्रति टन की बढ़ोतरी की भरपाई के लिए उद्योग को लगातार 10 रुपए प्रति बैग की वृद्धि की आवश्यकता है, जिससे यह आगामी मूल्य वृद्धि अनिवार्य हो गई है। यह कदम सीधे तौर पर निर्माण लागत बढ़ाएगा और आम आदमी की जेब पर अतिरिक्त भार डालेगा।

बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशनस् का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा

- 558-586 प्रति शेयर मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली ।

इटली की बोनफिग्लियोली एसपीए की भारतीय अनुषंगी, बोनफिलियोली ट्रांसमिशनस् लिमिटेड ने अपने 2,534 करोड़ रुपये के आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा और महत्वपूर्ण तारीखों की घोषणा कर दी है। सोमवार को जारी बयान के अनुसार यह आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा और 19 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 558 रुपये से 586 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, जिसमें बड़े (एंकर) निवेशक 14 अक्टूबर को बोली लगा सकेंगे। यह निर्गम पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएफ) पर आधारित है, जिसके तहत बोनफिग्लियोली एसपीए 4.32 करोड़ तक शेयर बेचेगी। इसका मतलब है कि आईपीओ से प्राप्त होने वाली पूरी 2,534 करोड़ रुपये की राशि कंपनी को न मिलकर सीधे शेयर बेचने वाले प्रवर्तक को मिलेगी। कंपनी के शेयर 23 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

यूपीआई शुल्क वृद्धि से ग्राहकों पर अप्रत्यक्ष बोझः आईआईटी रिपोर्ट

व्यापारी अतिरिक्त लागत को कीमतों में कर सकते हैं समायोजित

नई दिल्ली ।

आईआईटी बॉम्बे की एक रिपोर्ट ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लिए प्रस्तावित संशोधित शुल्क ढांचे पर गंभीर चेतावनी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस नए ढांचे से ग्राहकों पर अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा कीमतों में वृद्धि का बोझ पड़ सकता है, भले ही व्यापारियों को सीधे शुल्क लगाने से रोका गया हो। रिपोर्ट का अनुमान है कि मचेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) स्ट्रक्चर से पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को सालाना करीब 18,000 करोड़ रुपए की कमाई हो सकती है। हालांकि, रिपोर्ट चेतावनी देती है कि व्यापारी इस अतिरिक्त खर्च को अपनी कीमतों में शामिल कर सकते हैं, जिससे 2,000 रुपए से कम के ट्रांजेक्शन करने वाले ग्राहकों को भी अप्रत्यक्ष रूप से लागत उठानी पड़ेगी। आईआईटी रिपोर्ट ने मौजूदा ढांचे में बदलाव की मांग करते हुए कहा है कि अन्यथा यूपीआई लोगों का भरोसा खो सकता है। संशोधित ढांचे के तहत, 2,000 रुपए से अधिक के मचेंट पेमेंट पर 0.40 फीसदी तक एमडीआर लगेगा, जिसकी अधिकतम सीमा 300 रुपए होगी, जबकि 2,000 रुपए तक के भुगतान और पी2पी ट्रांसफर मुफ्त रहेंगे। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि बैंकों के अंतर्ओवर नेट इंस्ट्रेट मार्जिन (वित्त वर्ष 26 में 4.84 लाख करोड़ रुपए) से सालाना लगभग 15,000 करोड़ रुपए यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए योगदान देना चाहिए। यह भी मांग की गई है कि ऋण संग्रह जैसे लेनदेन को एमडीआर से छूट दी जाए। रिपोर्ट ने 50 करोड़ रुपए से अधिक के वित्त वर्ष 26 में ऑनलाइन व्यापारियों पर ही शुल्क लगाने, एमडीआर को 40 रुपए तक सीमित करने और राजस्व को यूपीआई के विस्तार व सुरक्षा में लगाने का प्रस्ताव दिया है, ताकि डिजिटल भुगतान में ग्राहकों का हित सुरक्षित रहे।

मच्छर जनित बीमारियों से रहे सावधान, बरतें सावधानी

एजेंसी रेवाड़ी। डेंगू से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय मच्छरों की रोकथाम तथा उनके प्रजनन स्थलों को समाप्त करना है। इसके लिए आमजन की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। डीसी अभिषेक मीणा ने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे मच्छरों से होने वाली बीमारियों, विशेषकर 'डेंगू' से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी सावधानियों का पालन करें। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि नागरिक घर से बाहर निकलते समय पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें तथा आवश्यकता के अनुसार मच्छरदानी का प्रयोग करें। दिन के समय भी मच्छरों से बचाव जरूरी है, क्योंकि डेंगू फैलाने वाला मच्छर दिन के समय भी सक्रिय रहता है। नागरिक मच्छर भगाने वाले साधनों का भी उचित प्रयोग करें। घरों, कार्यालयों और आसपास के क्षेत्रों में कहीं भी पानी जमा न होने दें। कूलर, गमले, टायर, छतों पर रखे बर्तन, टंकियों तथा अन्य ऐसे स्थानों की नियमित सफाई करें, जहां पानी एकत्रित हो सकता है। स्वच्छ एवं सूखा वातावरण बनाए रखकर मच्छरों के प्रजनन को काफी हद तक रोक़ा जा सकता है।

डा. मीमराव अंबेडकर मेधावी छात्र योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

रेवाड़ी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग विभाग की ओर से वर्ष 2026-27 की अवधि के लिए डा. भीमराव अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना के तहत अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति, घुमंतु, अर्ध घुमंतु, टपरीवास, पिछड़ा वर्ग जातियों एवं सामान्य श्रेणी के छात्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। छात्र आगामी 17 अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक सरल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र व छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाति है। इस योजना के अंतर्गत छात्र की पारिवारिक वार्षिक आय चार लाख से कम होनी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 10वीं में 60 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र तथा 70 प्रतिशत शहरी क्षेत्र प्राप्त करने पर आठ हजार रुपए की राशि प्रदान की जाती है। वहीं कक्षा बारहवीं में अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं को 70 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र तथा 75 प्रतिशत शहरी क्षेत्र प्राप्त करने पर स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिला लेने पर आठ हजार से 10 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाती है।

जिला पलवल में पराली जलाने पर है जीरो टॉलरेंस : उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर

पलवल। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि जिला प्रशासन पलवल में पराली जलाने पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें और खेतों में पराली जलाने से बचें। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग फसल अवशेष प्रबंधन के साथ-साथ खेतों में आग लगाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी किसानों को जागरूक कर रहे हैं, ताकि पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ-साथ पर्यावरण और भूमि की उर्वरा शक्ति को सुरक्षित रखा जा सके।उपायुक्त ने कहा कि फसल अवशेषों को आग लगाने से मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं और भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। इसके अलावा, पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है तथा आसपास की फसलों, पेड़-पौधों और जनजीवन को भी नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है।

राज्य स्तरीय महिला पुरस्कारों के लिए 5 नवंबर तक जमा करवाए सिफारिशें : उपायुक्त

पलवल। हरियाणा सरकार महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प है। इसी उद्देश्य से हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली एवं उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं से राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए 5 नवंबर तक सिफारिशें आमंत्रित की गई हैं।उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने जानकारी देते हुए बताया कि महिला एवं बाल विकास की ओर से प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है और यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों में सुषमा स्वराज पुरस्कार के तहत 5 लाख रुपए एवं प्रशस्ति पत्र, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के तहत 1 लाख 50 हजार रुपए एवं प्रशस्ति पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार तथा बहिन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के तहत 1-1 लाख रुपए एवं प्रशस्ति पत्र, लाइफ टाइम अचीवर्स पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपए तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

नवरात्रों के दौरान कुट्टू के आटे की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निरीक्षण करें : आरती सिंह राव

‘पैकेट पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण लाइसेंस नंबर व अन्य विवरण जांच लें’

एजेंसी चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने ‘खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, हरियाणा’ को निर्देश दिए हैं कि नवरात्रों के दौरान कुट्टू के आटे एवं व्रत के दौरान प्रयोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निरीक्षण करें , सैपल लें और गड़बड़ी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। स्वास्थ्य मंत्री ने आमजन से भी अपील की है कि वे खाद्य सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध खाद्य पदार्थ की बिक्री एवं सेवन से बचें। आरती सिंह राव के निर्देशों का पालन करने की दिशा में कदम



एवं व्रत के दौरान प्रयोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों पर पैनी नजर रखने को कहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, हरियाणा ने नवरात्रों और व्रत के सीजन के दौरान कुट्टू के आटे की बढ़ती मांग को देखते हुए आमजन और खाद्य कारोबारियों के लिए एक विशेष एडवाइजरी जारी

महाराजा अग्रसेन जी संपूर्ण भारतीय समाज की एक महान विभूति थे : नायब सिंह सैनी

‘पशु बलि पर पूर्ण प्रतिबंध

लगाकर मानव इतिहास में

अहिंसा का सामाजिक नियम

स्थापित किया।’

एजेंसी चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पटियाला जिला के पातड़ां (पंजाब) के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती के पवन अवसर पर युवा अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने

अहिंसा, समाजवाद और करुणा के प्रतीक महाराजा अग्रसेन जी के चरणों में शत-शत नमन करते हुए सभी देशवासियों को जयंती और नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी केवल अग्रवाल समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज की एक महान विभूति थे, जिन्होंने अपने राज्य में ‘एक ईंट और एक सोने की मोहर’ जैसी अनूठी और दूरदर्शी परंपरा की शुरुआत की थी ताकि हर नया परिवार आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने पशु बलि पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर मानव इतिहास में अहिंसा का सामाजिक नियम स्थापित किया।सैनी ने कहा कि अग्रवाल समाज का इतिहास हमेशा से राष्ट्र निर्माण,

दानशीलता और मानवता की सेवा में स्वर्णिम रहा है। उन्होंने भामाशाह से लेकर देश और दुनिया में समाज का नाम रोशन



करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, संतों, साहित्यकारों और उद्योगपतियों का विशेष रूप से स्मरण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ के मूल मंत्र को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि

जी.एस.टी., डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं ने व्यापार जगत को नई ऊंचाइयां दी हैं। पंजाब की

वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब का व्यापारी और युवा वर्ग आज सुरक्षित माहौल, पाददर्शी व्यवस्था और बदलाव की उम्मीद कर रहा है। अपने संबोधन में हरियाणा के औद्योगिक और आर्थिक विकास का खाका रखते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि राज्य सरकार ‘विकसित हरियाणा 2047’ के विजन के तहत 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और 50 लाख नए रोजगार सृजित करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। हरियाणा आज देश में स्टार्टअप संस्कृति के मामले में चौथे स्थान पर है, जहां 12 हजार से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप, 19 यूनिर्कॉर्न और 250 से ज्यादा फॉर्च्यून-500 कंपनियां मौजूद हैं।

स्वर्ण पदक विजेता अमन सहरावत युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत : कृष्ण लाल पंवार

‘अमन सहरावत जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी उपलब्धियों से यह साबित करते हैं।’

एजेंसी चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पहलवान अमन सहरावत ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ग्रामीण परिवेश से निकलकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी पहचान बनाने वाले अमन सहरावत की सफलता से क्षेत्र के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार रविवार को झज्जर जिला के गांव बिरोहड़ में अंतरराष्ट्रीय पहलवान अमन सहरावत के सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित कर

रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अमन सहरावत को गदा भेंट कर सम्मानित किया और उनकी खेल उपलब्धियों की सराहना की। समारोह में बाहड़

के विधायक उमेद सिंह पातुवास और पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा वीरों और खिलाड़ियों की धरती है। देश की सीमाओं पर जहां प्रदेश के जवान राष्ट्र की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रहे हैं, वहीं खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में हरियाणा के 41 खिलाड़ियों ने पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने में विद्यार्थी निभाएं अहम भूमिका: उपायुक्त सतबीर सिंह

● नयमित योगाभ्यास से व्यक्ति अपनी दिनचर्या में अनुशासन लाने और मानसिक शांति बनाए रखने की दिशा में प्रयास कर सकता है।

एजेंसी रोहतक। उपायुक्त सतबीर सिंह ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण करने के लिए युवाओं और विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला के गांव कंसाला स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में स्कूली बच्चों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। सतबीर सिंह ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल

हरियाणा की खेल नीति दूसरे राज्यों के लिए बनी रोल मॉडल:- महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी

20वीं राष्ट्रीय फ्लोरबॉल चैंपियनशिप के समापन समारोह में खिलाड़ियों को किया सम्मानित

एजेंसी रोहतक। हरियाणा की महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि हरियाणा सरकार की खेल नीति दूसरे राज्यों के लिए रोल मॉडल बन चुकी है। राज्य सरकार की प्रगतिशील खेल नीति, खिलाड़ियों की लगन और अनुशासन के परिणामस्वरूप प्रदेश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। श्रुति चौधरी रविवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक में आयोजित 20वीं



बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न एशियन गेम्स में भारत द्वारा जीते गए 85 पदकों में से 22 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किए। इनमें 14 स्वर्ण पदक शामिल हैं। यह उपलब्धि प्रदेश की खेल नीति और खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम

खेल नीति के सकारात्मक परिणाम लगातार सामने आ रहे हैं। ओलंपिक और एशियन गेम्स के पदक विजेताओं को देश में सर्वाधिक नकद पुरस्कार राशि प्रदान करना, पदक लाओ-पद पाओ योजना के तहत सरकारी नौकरियों के अवसर उपलब्ध करवाना तथा

जमीनी स्तर पर आधुनिक खेल अवसरचना विकसित करना खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने में अहम भूमिका रहा है। श्रुति चौधरी ने कहा कि तनी दिवसीय राष्ट्रीय फ्लोरबॉल चैंपियनशिप का आयोजन उत्साह और उर्मा के साथ किया गया। प्रतियोगिता में देशभर से टीमों ने भाग लिया और खिलाड़ियों ने पूरे जोश एवं ऊर्जा के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऐसे आयोजन युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इससे पहले मंत्री श्रुति चौधरी ने खेल कोर्ट में पहुंचकर हरियाणा और मध्य प्रदेश की टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा चैंपियनशिप की स्मारिका का विमोचन किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए गांवों का विकास आवश्यक: सांसद कार्तिकेय शर्मा

एजेंसी रोहतक। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने बहुअकबरपुर गांव में आयोजित कार्यक्रम में सेन एवं ब्राह्मण समाज की संयुक्त चैपाल के निर्माण के लिए अपनी ओर से 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाओं का उपयोग केवल भवन निर्माण तक सीमित न रहकर शिक्षा, रोजगार और खेलों के माध्यम

से युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए भी किया जाना चाहिए। कार्तिकेय शर्मा ने चौपाल में 36 बिरादरी के बच्चों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), टीजीटी तथा एचसीएस और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्मार्ट क्लास स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। इसके लिए स्मार्ट बोर्ड, कंप्यूटर, एयर कंडीशनिंग सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने और अपनी

संस्था के माध्यम से कक्षाओं के संचालन में सहयोग देने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की संख्या चाहे पांच हो या बीस, उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए गांवों का विकास आवश्यक है। समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी से ही विकास के लक्ष्य

हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं को केवल नौकरी पाने तक सीमित न रखते हुए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए भी प्रोत्साहित करने की जरूरत बताई। युवाओं को फुटबॉल प्रशिक्षण और महिलाओं को स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिलेगी: कार्तिकेय शर्मा ने बहुअकबरपुर के युवाओं को फुटबॉल प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने में सहयोग का

आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित मंच देने की है। इसके लिए फुटबॉल विशेषज्ञों और संबंधित संस्थाओं से संपर्क करवाने तथा युवाओं को जूनियर फुटबॉल लीग में भाग लेने के अवसर उपलब्ध करवाने में सहायता की जाएगी। उन्होंने खेलों को युवाओं को नशे से दूर रखने और सकारात्मक दिशा देने का प्रभावी माध्यम बताया।

परिवर्तन की नई आवाज बनती भारतीय लड़कियां



राज कुमार सिन्हा

भारतीय लड़कियों का आंदोलनों में बढ़ता नेतृत्व इस बात का संकेत है कि देश की नई पीढ़ी केवल व्यवस्था के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय उनसे सवाल पूछने, जवाबदेही तय करने और बदलाव की दिशा निर्धारित करने के लिए तैयार है। जंतर-मंतर से लेकर वैश्विक मंचों तक, छात्राओं और युवा महिलाओं की सक्रियता लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और समावेशी बनाने की संभावना प्रस्तुत करती है।

परंपरागत रूप से, महिलाएं घरेलू क्षेत्र तक अपने को सीमित रखती हैं, जिसमें पत्नी, मां और गृहिणी के रूप में उनकी भूमिकाओं पर बल दिया जाता है।परन्तु भारत में महिलाओं की भूमिका में व्यापक परिवर्तन देखा जा रहा है। हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए दो बड़े विरोध प्रदर्शनों, जुलाई 2026 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के खिलाफ और अक्टूबर 2026 में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भारतीय छात्र राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में लड़कियों और महिलाओं की भूमिका का एक नया खाका तैयार किया है। कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्र संगठनों के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के लिए चले लगभग एक महीने के लंबे आंदोलन में लड़कियों ने वैचारिक और जमीनी दोनों स्तरों पर कमान संभाली थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने इस आंदोलन को रेखांकित करते हुए लिखा है कि छात्राओं ने कमजोर समझे जाने वाले मुद्दों को तोड़कर खुद को आंदोलन के मोर्चे पर स्थानित किया है।मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे हालिया प्रदर्शनों के दौरान महिलाओं की भागीदारी और उनके प्रति पुलिसिया रवये ने व्यवस्था के एक अलग पहलू को सामने लाया है। आंदोलनकारी छात्राओं ने अपने साक्षात्कारों में यह स्पष्ट किया है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए महिला पुलिसकर्मीयों की तैनाती मात्र से राज्य का रवैया संवेदनशील नहीं हो जाता है। उनके अनुसार, राज्य व्यवस्था का चरित्र पुरुष प्रधान ही रहता है, चाहे वर्दी पुरुष ने पहनी हो या महिला ने। जंतर-मंतर के ये हालिया घटनाक्रम दर्शाते हैं कि आधुनिक भारत में लड़कियां सिर्फ शैक्षणिक या आर्थिक सुधारों तक सीमित नहीं हैं। चाहे वह शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता का मुद्दा हो या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की शुचित्ता या चुनाव आयोग की जवाबदेही? का, देश की युवतियां राजनीतिक और संवैधानिक तंत्र को चुनौती देकर व्यवस्था परिवर्तन की सबसे मुखर आवाज बन चुकी हैं। दूसरी ओर जनरेशन अल्फा की छात्राओं और छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था की जर्जर और अपर्याप्त स्थिति के खिलाफ एक अभूतपूर्व और बड़े स्तर पर विरोध संघर्ष छेड़ा हुआ है।जानिज कि ये पेपर लोक आंदोलनों से प्रेरणा लेकर स्कूली बच्चे सीधे सड़कों पर उतरकर व्यवस्था से जवाबदेही मांग रहे हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को बुनियादी अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है, जिससे लेकर देशव्यापी आंदोलन खड़ा हुआ है। यह असंतोष केवल भारत तक सीमित नहीं है। फ्रांस में भी मंत्रीों सरकार को शिक्षा नीतियों के खिलाफ जेन अल्फा के स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे हैं। वहां छात्राओं की मांग है कि कक्षाओं में भीड़ कम की जाए, जर्जर इमारतों की मरम्मत हो और लंबे स्कूल समय (स्कूल ऑवर) की समीक्षा की जाए क्योंकि पढ़ाई का दबाव उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इतिहास और वर्तमान दोनों



इस बात का गवाह है कि सड़कों पर व्यवस्था परिवर्तन की अलख जगाने वाली युवा लड़कियां आगे चलकर देश और दुनिया की नींवियां तय करने वाली शीर्ष राजनीतिक नेता बनी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके कुछ सबसे सशक्त उदाहरण हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्देन ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत युवावस्था में एक सामाजिक कार्यकर्ता और लेबर पार्टी के युवा विंग के सदस्य के रूप में की थी। उन्होंने मानवाधिकारों, बाल गरीबी और पर्यावरण के मुद्दों पर आंदोलनों में भाग लिया। युवावस्था में जमीनी मुद्दों पर सक्रियता के कारण ही वह मात्र 37 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे युवा महिला राष्ट्राध्यक्षों में से एक बनीं। चिली में 2011 और 2019 के बड़े छात्र आंदोलनों का नेतृत्व युवा छात्राओं और लड़कियों ने किया था। इनमें से कैमिला वैलेजो एक प्रमुख छात्र आंदोलनकारी थी, जो बाद में चिली की संसद में पहुंचीं और वर्तमान में सरकार में मंत्री हैं। इसी तरह, इरीना कारामानोस ने एक नारीवादी कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की और चिली की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री साना मारिन एक बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से आती थीं और उन्होंने युवावस्था में ही सामाजिक-राजनीतिक सक्रियता शुरू कर दी थी। वह सोशल डेमोक्रेटिक यूथ की उपाध्यक्ष बनीं और नागरिक अधिकारों के आंदोलनों से जुड़कर आगे बढ़ीं। वह 34 वर्ष की आयु में फिनलैंड की प्रधानमंत्री बनीं और उनके नेतृत्व वाले गठबंधन दल की सभी पांचों नेता महिलाएं थीं, जिसमें से चार की उम्र 35 वर्ष से कम थी।लड़कियों की शिक्षा के

लिए तालिबान जैसे क्रूर संगठन के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत करने वाली युसुफजई मलाला आज वैश्विक स्तर पर नीति-निर्धारकों को प्रभावित करती है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ फ्राइडेज फॉर फ्यूचर आंदोलन शुरू करने वाली ग्रेटा थनबर्ग ने दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और संयुक्त राष्ट्र को सीधे तौर पर कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने यह साबित किया कि एक स्कूली लड़की भी वैश्विक राजनीतिक एजेंडे को बदल सकती है।अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि आंदोलनकारी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला नेता स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और बाल कल्याण जैसे संवेदनशील मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखती हैं। पारंपरिक पुरुष-प्रधान राजनीति के मुकाबले, ये युवा महिला नेता व्यवस्था परिवर्तन का एक नया और अधिक समावेशी खाका पेश करती हैं।जंतर-मंतर या वैश्विक मंचों पर प्रदर्शन करने वाली लड़कियों में सत्ता से सीधे सवाल पूछने का साहस होता है, जो भविष्य के एक अच्छे राजनेता का प्राथमिक गुण है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज जो लड़कियां पेपर लोक या चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ आंदोलन का चेहरा बनी हुई हैं, वे केवल आज का प्रदर्शन नहीं कर रहीं, बल्कि वे अपनी राजनीतिक क्षमता को निखार रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण बताते हैं कि कल की यही आंदोलनकारी लड़कियां भविष्य में देश और दुनिया की मुख्यधारा की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाली नेता बनेंगी।वह केवल महिला सशक्तीकरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश की मानवीय क्षमता का बेहतर उपयोग करने का प्रश्न भी है। जिस देश

की आधी आबादी लंबे समय तक घरेलू भूमिकाओं तक सीमित रही हो, वहां यदि लड़कियां शिक्षा, लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों के सवालों पर नेतृत्व की भूमिका में आगे आ रही हैं, तो इसे केवल आंदोलनों तक सीमित रखना देश के लिए एक बड़ा अवसर गंवाना होगा। इन युवा महिलाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उनका राजनीतिक अनुभव केवल चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है। वे विश्वविद्यालयों, सड़कों, ग्राम सभाओं, सामाजिक आंदोलनों और डिजिटल मंचों पर सवाल उठाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को करीब से समझ रही हैं। वे प्रशासनिक निर्णयों के प्रभाव को सीधे महसूस करती हैं और सत्ता से जवाब मांगने का साहस भी रखती हैं। आज के आंदोलनों में नेतृत्व कर रही ये लड़कियां भविष्य के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। आंदोलनों को केवल महिलाओं के मुद्दों तक सीमित नहीं समझना चाहिए। जब कोई छात्रा पेपर लोक, बेरोजगारी, चुनावी पारदर्शिता, पर्यावरण या संचिका की रक्षा के सवाल को लेकर सड़क पर उतरती है, तो वह केवल अपने अधिकार के लिए नहीं लड़ रही होती, बल्कि लोकतंत्र के व्यापक हित में नागरिक की भूमिका निभा रही होती है। भारतीय लड़कियों का आंदोलनों में बढ़ता नेतृत्व इस बात का संकेत है कि देश की नई पीढ़ी केवल व्यवस्था के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय उनसे सवाल पूछने, जवाबदेही तय करने और बदलाव की दिशा निर्धारित करने के लिए तैयार है। जंतर-मंतर से लेकर वैश्विक मंचों तक, छात्राओं और युवा महिलाओं की सक्रियता लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और समावेशी बनाने की संभावना प्रस्तुत करती है। इसलिए उनके संघर्षों को केवल तात्कालिक विरोध या छात्र राजनीति की गतिविधि मानकर नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा संस्थानों, राजनीतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं में उन्हें समान अवसर, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण मिले। आज व्यवस्था से सवाल पूछने वाली लड़कियों को यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया में उचित स्थान दिया जाता है, तो वे केवल अपने भविष्य का निर्माण नहीं करेंगी, बल्कि देश की राजनीति और समाज को भी अधिक न्यायपूर्ण, समानतापूर्ण और लोकतांत्रिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यही परिवर्तन की उस नई आवाज का वास्तविक अर्थ है, जो आज की युवा लड़कियों के संघर्षों से उभर रही है।इसलिए जंतर-मंतर पर खड़ी आज की लड़की को केवल प्रदर्शनकारी के रूप में देखना उसकी क्षमता को कम करके आंकना होगा। वह संभावित सांसद, विधायक, मंत्री, प्रशासक, न्यायविद, सामाजिक कार्यकर्ता या नीति-निमाता भी हो सकती है। सवाल यह है कि क्या भारतीय लोकतंत्र उसे आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर देगा?

संपादकीय

सख्ती पर सवाल

पिछले दिनों राजधानी दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों पर सरकार की सख्ती के उपरांत सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप यह बताता है कि कानून-व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर संविधान द्वारा नागरिकों को मिली आजादी का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिकार है, न कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा। उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को कॉंकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। जिसको रोकने के लिये दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए थे। इस दौरान सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने को लेकर सवाल उठाये गए। लोगों ने जगह-जगह सड़कों पर अवरोधक लगाने, क्षेत्र के मेट्रो स्टेशनों पर बंदिश लगाने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सख्ती को लेकर चिंता जाहिर की। कहा गया कि पुलिस ने एहतियाती दायित्वों से बढ़कर आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। निरसंदेह, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही अधिकारियों की बनती है। जब आंदोलन आदि के दौरान हिंसा होने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका हो तो आसन्न खतरों के मद्देनजर अधिकारियों की कार्रवाई करना बनता है। लेकिन यह भी जरूरी है कि इन अधिकारों का उपयोग कानून की सीमाओं में ही किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि सिर्फ शांति पूर्ण ढंग से एकत्र होने पर लोगों को हिरासत में लेना, निर्धारित निषेधाज्ञा वाले इलाकों से बहुत दूर तक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना, सार्वजनिक सेवाओं पर रोक लगे तो क्या यह आम लोगों को दंड देने जैसा नहीं है? तभी शीर्ष अदालत ने कोर्ट-परिसर के आस-पास रोक लगाने वाले नोटिस भी तुरंत हटाने के निर्देश दिए। जिससे नागरिक-अधिवक्ता बिना किसी बाधा के यहां पहुंच सके। दरअसल, विपक्षी दल लोगों को हिरासत में रखने और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच की भी मांग कर रहे हैं। निरसंदिह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी जवाबदेह बनाया जाए।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरि महत्व दे; किंतु उस विद्वत्क-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रवृह में फंसेकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को बढ़ाकर कर्के क्यों सत्ता की गोटियां बिटाई जा रही हैं? आज की राजनीति को डेढ़क मन रत्नान और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?



कातिला मांडेत्

लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार की सार्थकता तभी बनी रहती है, जब उसके साथ संवैधानिक मर्यादाओं और कानून के प्रति सम्मान भी जुड़ा हो। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में हुए प्रदर्शन ने एक बार फिर राजनीतिक विरोध, नागरिक स्वतंत्रता और कानून-व्यवस्था के बीच संतुलन का प्रश्न खड़ा कर दिया है। दस अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के बाद ग्याह अक्टूबर को भी राजधानी में विरोध जारी रहा। कॉंकरोच जनता पार्टी के नेताओं की हिरासत और रिहाई, छात्र संगठनों के मार्च, पुलिस की कार्रवाई तथा सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस घटनाक्रम को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। कॉंकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली पहुंचने के बाद हिरासत में लिए जाने और लगभग तेईस घंटे बाद रिहा किए जाने की खबर ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, तीनों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 126 और 170 के तहत एहतियातन हिरासत में लिया गया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। इसके बाद तीनों ने एक वर्ष तक शांति बनाए रखने और अच्छे व्यवहार के लिए पचास हजार रुपये का जमानती मुचलका भरा, जिसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। यह घटनाक्रम बताता है कि सार्वजनिक



दिलीप कुमार पाठक

मस्क साहब, हद में रहिए! व्यापार करिए, भारत के शीर्ष नेतृत्व पर राजनीति नहीं हाल ही में अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने मुकेश अंबानी को संबोधित करते हुए भारत के प्रधानमंत्री पद पर तंज कसा। ऊपर से देखने में यह दो बड़े कारोबारियों के बीच की सामान्य बातचीत लग सकती है, लेकिन असल में यह भारत के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद की गरिमा पर किया गया एक गैर-जिम्मेदाराना हमला है। जब विदेश का कोई बिजनेसमैन भारत के शीर्ष नेतृत्व को लेकर इस तरह की हल्की

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि लेकिन कानून से ऊपर कोई नहीं

जीवन में राजनीतिक सक्रियता के साथ कानूनी प्रक्रिया की जानकारी और उसका पालन भी आवश्यक है। रिहाई के बाद कॉंकरोच जनता पार्टी ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर लिखा कि कॉंकरोच कभी नहीं मरे। पार्टी के नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत में हिरासत की कार्रवाई पर सवाल उठाए और सरकार तथा चुनाव आयोग को लेकर गंभीर आरोप लगाए। आशुतोष रांका ने दावा किया कि उन्हें और उनके साथियों को विमान से उतरते ही हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव आयोग को बचाना चाहती है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सत्तारूढ़ दल के पक्ष में काम कर रहे हैं। ये राजनीतिक आरोप हैं, जिनकी सत्यता का निर्धारण संबंधित तथ्यों, साक्ष्यों और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्ष जांच के आधार पर होना चाहिए। किसी भी आरोप को केवल राजनीतिक बयान के आधार पर अंतिम सत्य मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है। इस पूरे प्रकरण में विपक्ष की रणनीति भी महत्वपूर्ण है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना राजनीतिक दबाव बनाने का तरीका हो सकता है, लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का भविष्य केवल नारों और भीड़ के दबाव से तय नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े प्रश्नों पर तथ्यपरक बहस होनी चाहिए। यदि विपक्ष को किसी प्रक्रिया में अनियमितता दिखाई देती है, तो उसे प्रमाणों के साथ संबंधित संवैधानिक और न्यायिक मंचों पर अपनी बात रखनी चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, लेकिन सवालों के उत्तर भी प्रमाण, प्रक्रिया और कानून के आधार पर ही खोजे जाने चाहिए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर उठने वाले सवाल केवल सत्ता पक्ष या विपक्ष तक सीमित नहीं रहते। उनका प्रभाव आम मतदाता के विश्वास पर पड़ता है। यदि चुनाव प्रक्रिया पर संदेह है, तो उसका समाधान पारदर्शिता, सार्वजनिक तथ्यों और निष्पक्ष परीक्षण से निकलना चाहिए। दूसरी ओर, किसी संस्था के प्रति समर्थन जताने का अर्थ यह

नहीं हो सकता कि उससे जवाबदेही के प्रश्न ही न पूछे जाएं। संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती निष्पक्षता, स्वतंत्रता और जनता के विश्वास से आती है। इसलिए सत्ता पक्ष को भी आरोपों का उत्तर तथ्यों के साथ देना चाहिए और विपक्ष को भी अपने दावों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करनी चाहिए। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दो याचिकाओं पर सुनवाई ने नागरिक अधिकारों के प्रश्न को और महत्वपूर्ण बना दिया। याचिकाओं में प्रदर्शनकारियों की हिरासत, पुलिस के कथित दुर्व्यवहार, बैरिकेडिंग और मेट्रो सेवाओं में व्यवधान जैसे मुद्दे उठाए गए। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के अधिकारों की रक्षा और लोगों की आवाजाही बहाल करने की मांग की। न्यायालय ने निर्देश दिया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधित क्षेत्रों से बाहर शांतिपूर्ण और बिना हथियार प्रदर्शन करने वालों को केवल प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में न लिया जाए। साथ ही, कानून के अनुरूप नागरिकों की आवाजाही सुनिश्चित करने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया गया। ये निर्देश स्पष्ट करते हैं कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाते समय नागरिक स्वतंत्रता का सम्मान भी अनिवार्य है। दिल्ली में बीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज किए जाने की खबर और छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं की हिरासत ने भी प्रशासन की भूमिका पर चर्चा बढ़ाई है। पुलिस का दायित्व है कि वह हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और सरकारी कार्य में बाधा जैसी गतिविधियों पर कानून के अनुसार कार्रवाई करे। लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर करना भी उतना ही जरूरी है। किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचार या सत्तार की आलोचना मात्र को अपराध का अर्थ नहीं बनाया जाना चाहिए। इसी तरह प्रदर्शनकारियों को भी यह समझना होगा कि सार्वजनिक सड़कों, परिवहन सेवाओं और आम नागरिकों के दैनिक जीवन को अर्निश्चितकाल तक बाधित करना उनके अधिकारों की सीमा से जुड़ा प्रश्न है।

वैश्विक पटल पर भारत की गरिमा और कूटनीतिक मौन का जोखिम

टिप्पणी करता है, तो बात केवल एक व्यक्ति की नहीं रह जाती। यह सीधे तौर पर हमारे देश के सम्मान और उसकी संभ्रभूता से जुड़ जाती है। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद देश में एक बहस छिड़ गई है कि क्या भारत के प्रधानमंत्री को खुद सामने आकर ऐसे बयानों का जवाब देना चाहिए? इसका सीधा और साफ जवाब है - बिल्कुल नहीं। भारत 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है, दुनिया की सबसे पुरानी महान सभ्यताओं में से एक है और आज एक बड़ी आर्थिक ताकत है। ऐसे देश के प्रधानमंत्री का पद बहुत जिम्मेदारी और व्यस्तता वाला होता है। उनका काम देश चलाना है, न कि किसी विदेशी बिजनेसमैन या सोशल मीडिया स्टार के तंज पर रोज सफाई देना या उनके साथ बहस में उलझना। लेकिन यह असली सवाल यह उठता है कि अगर प्रधानमंत्री खुद जवाब नहीं दे रहे हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि पूरा देश चुप बैठ जाए? अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जब आप किसी टिप्पणी पर बिल्कुल चुप रह जाते हैं, तो लोग उसे आपकी कमजोरी या सहमति मान लेते हैं। यहीं पर हमारे विदेश मंत्रालय और दूसरे मंत्रियों की बड़ी लापरवाही सामने आती है। सच यह है

कि पिछले कुछ समय से हमारा कूटनीतिक तंत्र काफी सुस्त और जरूरत से ज्यादा दबकर काम कर रहा है। चाहे अमेरिकी नेताओं के उद्घाटन बयान हों या डोनाल्ड ट्रंप की बिन-मागे दी गई सलाह - हमारा विदेश मंत्रालय हर बार संयम और मर्याद के नाम पर चुपौी साध लेता है या फिर बहुत ढीला-ढाला जवाब देकर पल्ला झाड़ लेता है। हद से ज्यादा संयम दिखाना भी सही नहीं होता, क्योंकि जब आप बार-बार चुप रहते हैं, तो सामने वाला आपकी शराफत को आपकी झिझक समझने लगता है। विदेश मंत्रालय को इसी ढीलवां का नतीजा है कि आज एलन मस्क जैसे उद्योगपतियों की भी इतनी हिम्मत हो गई कि वे भारत के पीएम पद पर तंज कसने लगे। कूटनीति का मतलब सिर्फ बड़े-बड़े दौरों पर जाना या औपचारिक प्रेस नोट जारी करना नहीं होता। कूटनीति का असली काम देश के मान-सम्मान की रक्षा करना है। विदेश मंत्रालय और हमारे मंत्रियों को मस्क को तुरंत और सख्त लहजे में यह याद दिलाना चाहिए था कि वे सिर्फ एक बिजनेसमैन हैं, किसी देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नहीं। अपनी सीमा में रहकर बात करना ही उनके और उनके बिजनेस के लिए अच्छा है। बिजनेस करने और किसी देश की राजनीति पर तंज कसने के

बीच एक दायरा होता है, और किसी भी धनकुबेर को वह दायरा लांघने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। अमेरिका को भी यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि भारत के साथ रिश्ते बराबरी और सम्मान के दम पर ही आगे बढ़ सकते हैं। कोई भी बिजनेसमैन कितना भी अमीर क्यों न हो, उसे किसी दूसरे देश के लोकतांत्रिक पदों का मजाक उड़ाने का हक नहीं मिल जाता। निष्कर्ष बहुत सीधा है - भारत की हर उकसावे और हर तंज का मुंहतोड़ जवाब देना ही होगा। लेकिन इस काम के लिए हर बार पीएम ही सामने आएँ, यह बिल्कुल जरूरी नहीं है। इसके लिए हमारे पास पूरा विदेश मंत्रालय है और कई जिम्मेदार मंत्री हैं। हमारे मंत्रियों को अपनी इस सुस्ती को छोड़ना होगा और आगे आकर मस्क जैसे लोगों को साफ और कड़े शब्दों में समझाना होगा कि वे उद्योगपति हैं, तो उद्योगपति बनकर ही रहें। जब तक हमारा शासन तंत्र हर स्तर पर अपनी बात मजबूती से नहीं रखेगा, तब तक दुनिया के मंचों पर ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों का सिलसिला रुकने वाला नहीं है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त

समाचार

इटली के सिसिली में दो बवंडरों का कहर, कई घायल ; स्कूल और मकान क्षतिग्रस्त

रोम, एजेंसी। इटली के सिसिली द्वीप के पश्चिमी हिस्से में आए दो शक्तिशाली बवंडरों ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में कई लोग घायल हो गए, कई मकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा तथा एक स्कूल की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शुक्रवार देर शाम आई इस आपदा में 11 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 70 वर्षीय व्यक्ति की हालत गंभीर बताई गई है। इटली की न्युज एजेंसी एएनएसए की रिपोर्ट के अनुसार, बवंडर ने पश्चिमी सिसिली के तटीय शहर मार्साला और आसपास के इलाकों को प्रभावित किया। समुद्र के ऊपर बने बवंडर टट की ओर बढ़े और फिर रिहायशी इलाकों में पहुंचकर तबाही मचाने लगे। तेज हवाओं के कारण कारें पलट गईं, इमारतों की खिड़कियां टूट गईं, और कई जगहों पर मलबा बिखर गया। मार्साला के एक स्कूल को भी भारी नुकसान पहुंचा। घटना के समय वहां 273 बच्चे मौजूद थे। स्कूल प्रशासन और कर्मचारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हालांकि, घटना में छह बच्चों को मामूली चोट आई।

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में गोलीबारी, संदिग्ध समेत नौ लोगों की मौत

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, अधिकारियों ने घटना से जुड़ी अन्य जानकारीयां साझा नहीं की हैं। एरी के पुलिस प्रमुख रिक लोराह ने एक स्थानीय न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि अपने 28 साल से अधिक के करियर में उन्होंने ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि शहर में इतने लोगों की मौत और इतनी बड़ी तबाही का सामना शायद पहले कभी नहीं करना पड़ा। इस घटना के बाद पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने शनिवार को एरी की मेयर डारिया डेविलिन को हर संभव मदद देने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस मुश्किल समय में शहर को पूरा सहयोग देगा। एरी शहर पिट्सबर्ग से करीब 188 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। फिलहाल, घटना को लेकर अधिकारियों ने इससे अधिक जानकारी नहीं दी है।

तूफान की चपेट में आने से अमेरिका में चार लोगों की मौत

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के कुछ इलाकों में इसायास तूफान का कहर दिख रहा है। फ्लोरिडा पैनहैंडल के किनारे बने होटलों और कॉन्डोमिनियम की छतों का प्रचंड हवाओं के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ा है। शनिवार को (स्थानीय समय) तूफान उत्तर की ओर बढ़ गया, जिसके कारण दक्षिणपूर्व में मूसलाधार बारिश हुई। कई जगहों पर अचानक बाढ़ और बवंडर का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक तूफान से कम से कम चार लोगों की मौत हुई है जिनमें फ्लोरिडा और अलबामा में घरों पर पेड़ गिरने से मारे गए दो लोग भी शामिल हैं। लगभग 7 लाख उपभोक्ताओं के घरों में बिजली गुल है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बाद दक्षिणी अप्पालाचियन पर्वतमाला तक फैल सकती है। गौरतलब है कि इसायास का लैंडफॉल शुक्रवार को फ्लोरिडा के डेस्टिन के पास हुआ, जब श्रेणी 2 का यह तूफान तट से टकराया। डेस्टिन खाड़ी तटीय इलाके में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। ऊंची इमारतों और पर्यटकों को लुभाने वाली दुकानों से भरे इलाके में खतरा बना हुआ है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के मुताबिक रात भर में तूफान कमजोर पड़ा है। अब ये उष्णकटिबंधीय चक्रवात की श्रेणी में है लेकिन अभी भी ‘बाढ़ का खतरा बहुत अधिक है।

रूस की लैब में कर्मचारी की मौत का कारण अब तक स्पष्ट नहीं, डब्ल्यूएचओ ने जांच जारी रखने को कहा

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शनिवार को कहा कि रूस की एक प्रयोगशाला में काम करने वाले युवक की मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। यह लैब प्लेग और दूसरी बीमारियों पर काम करती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, शुरुआती रिपोर्टों में मौत की वजह न्यूमोनिक प्लेग होने की आशंका जताई गई थी, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। यह बीमारी फेफड़ों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकती है।

सऊदी के रियाद एयरपोर्ट पर हमला, धमाके से 12 मौतें :300 लोग घायल

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को फिर हमला हुआ। धमाके में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों में 4 सऊदी, 2 बांग्लादेशी और अमेरिका, फिलिस्तीन, मिश्, जॉर्डन, सीरिया और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल हैं। हमले के बाद एयरपोर्ट खाली कराया गया और उड़ानें रोक दी गईं। बीते 24 घंटे में एयरपोर्ट की कम से कम 225 उड़ानें रद्द हुईं। रियाद एयरपोर्ट पर बीते 20 दिन में यह चौथा हमला है। अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि हमले के पीछे हूतियों के हाथ होने का शक है। हूतियों ने इस हफ्ते अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को चेतावनी दी थी कि सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में उड़ानें चलाने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

हूती विद्रोहियों और सऊदी समर्थित यमनी सेना के बीच लड़ाई तेज : यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के समर्थन वाली सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सऊदी अरब अपने लड़ाकू विमानों से हूतियों के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहा है, जबकि यमन की सरकारी सेना जमीन पर आगे बढ़ रही है। इसका मकसद लाल सागर के पास हूतियों के कब्जे वाले इलाकों को



वापस लेना और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट पर उनका दबदबा कम करना है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के व्यापार और तेल की सप्लाई के लिए बेहद अहम है। हालिया सैन्य कार्रवाई के जवाब में हूतियों ने भी सऊदी अरब के एयरपोर्ट, तेल ठिकानों और सैन्य अड्डों को निशाना बनाने का दावा किया है। इससे दोनों पक्षों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

हमले के बाद ट्रम्प बोले- मैं खुश नहीं : सऊदी अरब ने अपने एयरपोर्ट, सैन्य ठिकानों और तेल से जुड़ी जगहों पर हमलों के बीच अमेरिका और दूसरे सहयोगी देशों से मदद मांगी है। अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका की मदद में खुफिया जानकारी साझा करना, हमले के लिए ठिकानों की पहचान करना और सैन्य योजना बनाने में सहयोग देना शामिल है। शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से रियाद एयरपोर्ट पर

बढ़ा है। एक अमेरिकी, दो बांग्लादेशी समेत 12 लोगों की मौत : सऊदी अरब के अधिकारियों का कहना है कि रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले में 12 लोग मारे गए और 300 से ज्यादा घायल हुए हैं। बयान में कहा गया है कि मरने वालों में चार सऊदी नागरिक, दो बांग्लादेशी नागरिक, एक फिलिस्तीनी, एक अमेरिकी नागरिक, एक मिश् का नागरिक, एक जॉर्डन का नागरिक, एक सीरियाई और एक सूडान का नागरिक शामिल है। इसमें कहा गया है कि घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है।

रियाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ानों का संचालन ठप : रियाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को हूती विद्रोही पहले भी निशाना बना चुके हैं। इस हफ्ते रियाद एयरपोर्ट पर हुआ यह तीसरा हमला था। लेकिन पहले के हमलों की तुलना में इस बार बड़ी तादाद में लोग हताहत हुए हैं। एक क्षेत्रीय अधिकारी की मुताबिक, शनिवार को हूतियों की ओर से दागी गई मिसाइल एयरपोर्ट के उस परिसर में गिरी, जहां धेरूल उड़ानों के टर्मिनल 3 और 4 स्थित हैं। हमले में बड़ी संख्या में लोग जख्मी हुए। वहीं सऊदी अरब को हूती विद्रोहियों की ओर से निशाना बनाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रिएक्शन भी सामने आया है।

पाकिस्तान में ईसाई शख्स पर ईशनिंदा का आरोप, घर-फार्मेसी फूंकी; डर से भागे 35 परिवार



लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप के बाद एक ईसाई व्यक्ति के घर और फार्मेसी को भीड़ ने आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद इलाके में रहने वाले ईसाई समुदाय के 35 से ज्यादा परिवारों को अपनी सुरक्षा के लिए घर छोड़कर भागना पड़ा। पुलिस के मुताबिक, यह घटना गुरुवार को लाहौर से करीब 50 किलोमीटर दूर शेखपुरा जिले के धरियाल कलां गांव में हुई। आरोपी की पहचान 40 साल के कामरान गुल मसीह के रूप में हुई है। उस पर सोशल मीडिया पर ईशनिंदा से जुड़ी सामग्री साझा करने का आरोप है।

मस्जिद से लोगों को जुटने का हुआ ऐलान : पुलिस अधिकारी जुबैर अब्बास ने बताया कि कामरान गुल मसीह को गिरफ्तार कर लिया गया है। भीड़ के हाथों उसकी हत्या होने की आशंका को देखते हुए उसे सुरक्षा के लिए वहां से निकलने लगे।

कैप्टनस्मितकीनईतस्वीरआईसामने

अबू धाबी , एजेंसी। अबू धाबी के अस्पताल में इलाज करा रहे भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर की नई तस्वीर सामने आई है। तस्वीर में वह इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग का पत्र पढ़ते नजर आ रहे हैं। उनकी बहುದुरी से प्रभावित राष्ट्रपति हर्जोग ने उन्हें इस्त्राइल के सर्वोच्च नागरिक वीरता सम्मान से सम्मानित करने का एलान किया है। मच्छर को भेजे अपने पत्र में हर्जोग ने कहा है कि स्मित के पूरी तरह ठीक होने के बाद उन्हें यरुशलम बुलाकर यह सम्मान दिया जाएगा। 30 सितंबर को फ्लाईडुबई की उड़ान में हुए खौफनाक घटनाक्रम के दौरान स्मित ने जिस हिम्मत और सूझबूझ का परिचय दिया, उससे विमान में सवार 180 लोगों की जान बच गई।

अस्पताल में इलाज के बीच मिला राष्ट्रपति का खास संदेश : इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर कैप्टन स्मित मच्छर की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने संदेश में भारतीय पायलट को इस्त्राइल, भारत और पूरी मानवता का हीरो बताया। हर्जोग ने कहा कि उन्होंने स्मित को भेजे पत्र में उनके जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना की है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि स्मित के ठीक होने और दोबारा ताकत हासिल करने के बाद यरुशलम में उनका स्वागत करना उनके लिए सम्मान की बात होगी। हर्जोग ने लिखा, 'कैप्टन स्मित मच्छर, आप इस्त्राइल, भारत और पूरी मानवता के हीरो हैं।' उन्होंने आगे कहा कि वह स्मित से मिलकर उन्हें इस्त्राइल के नागरिक वीरता के

सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करने के लिए उत्सुक हैं।

राष्ट्रपति के पत्र में छलका स्मित की बहादुरी के लिए सम्मान : 4 अक्टूबर को लिखे अपने पत्र में राष्ट्रपति हर्जोग ने कैप्टन स्मित के साहस, हौसले और विमान को सुरक्षित रखने के उनके प्रयासों की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि जिस तरह की स्थिति से पायलट को गुजरना पड़ा, उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। विमान के कॉकपिट में जान का खतरा सामने होने और गंभीर दर्द से जुझने के बावजूद स्मित ने अपना धैर्य बनाए रखा और सही फैसले लिए। हर्जोग ने पत्र में लिखा कि घटनाक्रम किसी रोमांचक फिल्म जैसा लगता है, लेकिन उस समय कॉकपिट में मौजूद लोगों ने किस डर और तनाव का सामना किया होगा, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।

ऐसे हालात में खुद को संभालना, जान पर मंडाते खतरे का मुकाबला करना और समझदारी से काम लेना स्मित के मजबूत चरित्र और अदम्य साहस को दिखाता है। राष्ट्रपति हर्जोग ने कैप्टन स्मित की बहादुरी की तुलना एक सड़ से भी पहले पवित्र भूमि के शहरों को आजाद कराने के लिए लड़ने वाले भारतीय सैनिकों के साहस से की। उन्होंने कहा कि उन भारतीय सैनिकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर इतिहास रचा था और इस्त्राइल के इतिहास में हमेशा के लिए अपनी जगह बनाई थी। हर्जोग के मुताबिक, कैप्टन स्मित ने भी अपनी बहादुरी से इस्त्राइल के लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है।

35 से ज्यादा ईसाई परिवारों ने छोड़े घर : पुलिस अधिकारी जुबैर अब्बास के मुताबिक, इस घटना के बाद 35 से ज्यादा ईसाई परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े। घटना की सूचना मिलने पर सीनियर अफसरों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हालात को काबू में किया। इस मामले में पुलिस ने कामरान गुल मसीह के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295-ए के तहत कस दर्ज किया है। यह धारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने से जुड़े मामलों में लगाई जाती है। प्रार्थमिकी यानी सफ़्दरू के मुताबिक, पुलिस शिकायतकर्ता रईस अहमद ने बताया कि वह अन्य पुलिसकर्मीयों के साथ इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कामरान गुल मसीह ने फेसबुक पर एक वीडियो

साझा किया है। आरोप है कि यह वीडियो एक दिन पहले जॉन शाकी नाम के यूजर ने अपलोड किया था। सफ़्दरू के मुताबिक, पुलिस अधिकारी ने वीडियो को अपने मोबाइल फोन पर डाउनलोड किया। इसके बाद गवाहों की मौजूदगी में उसे स्क़्ज़ाइव में ट्रांसफर किया गया और सील करके जब्त कर लिया गया।

वीडियो के स्क्रीनशॉट भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिए। पुलिस ने मसीह के खिलाफ दर्ज मामले के अलावा घर और फार्मेसी में तोड़फोड़ करने तथा आग लगाने के आरोपियों के खिलाफ भी लगाने सफ़्दरूदर्ज की है। इस मामले में 5 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि कई अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस की कार्रवाई के बावजूद घटना ने इलाके के ईसाई समुदाय में डर पैदा कर दिया।

कनाडा की संप्रभुता को चुनौती दे रहा

खालिस्तानी अलगाववाद, रिपोर्ट में चेतावनी

ओटावा , एजेंसी। कनाडा में अलगाववाद के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। चेतावनी भरे अंदाज में कहा गया है कि देश दूसरे देशों की संप्रभुता को नकारने वाले आंदोलनों को जगह देकर अपनी संप्रभुता की रक्षा नहीं कर सकता। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक भागीदारी की रक्षा करते हुए भी अलगाववादी एजेंड के वैधता देने से बच सकता है। खालसा वॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए आतंकवादी संगठनों के खिलाफ घोषित प्रतिबंधों को लागू करना, एयर इंडिया विमान बम विस्फोट के दोषियों का महामामंडन करने वाले समूहों को मंच देने से इनकार करना और किसी विदेशी जनमत संग्रह को कनाडा के परिसंघ से जुड़े मतदान के साथ एक जैसी राजनीतिक अहमियत नहीं देना जरूरी है।

कुछ विज्ञापनों का भी उल्लेख करते हुए आगे कहा गया, 'कनाडा के अलबर्टा प्रांत में 19 अक्टूबर को इस सवाल पर मतदान की तैयारी है कि क्या प्रांत की स्वतंत्रता के लिए बाध्यकारी जनमत संग्रह कराने की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।' इसी बीच, एयरइंडी के आसपास लगे विज्ञापन 18 अक्टूबर को एडमंटन में प्रस्तावित 'पंजाब की स्वतंत्रता पर अलबर्टा जनमत संग्रह' की ओर ध्यान आकर्षित करा रहे हैं।

रिपोर्ट में इन विज्ञापनों के पीछे अमेरिका स्थित खालिस्तानी संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) का हाथ बताया गया है। इसमें कहा गया है कि इस संगठन ने



सार्वजनिक रूप से अलबर्टा के कैलगरी शहर में खालिस्तान समर्थक रैली को 'पंजाब जनमत संग्रह और अलबर्टा की स्वतंत्रता', दोनों अभियानों के लिए मंच के रूप में पेश किया है। संगठन ने अलबर्टा के लोगों को आत्मनिर्णय के अधिकार का इस्तेमाल करने देने के लिए कनाडा सरकार की भी सराहना है। अलबर्टा की स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले एक वक्ता ने खालिस्तान समर्थक रैली में कहा कि इस आयोजन से उन्हें अपने अभियान के लिए प्रेरणा मिलती है। रिपोर्ट में दोनों आयोजनों की तारीखों के बीच एक दिन का अंतर होने की जानकारी देते हुए दर्शाकों से कनाडा की सड़कों और गुरुद्वारों का इस्तेमाल करते हुए भारत के क्षेत्र से जुड़े अलगाववादी दावे को आगे बढ़ाता रहा है। अब अलबर्टा में कनाडा की एकता से जुड़े महत्वपूर्ण मतदान के साथ इस मुद्दे को जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

यूएस में गोलीबारी: पेंसिल्वेनिया में नौ, जॉर्जिया में पांच लोगों की मौत; पुलिस बोली- 28 साल में पहली ऐसी घटना

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, खबर लिखे जाने तक स्थानीय अधिकारियों, पुलिस के अलाा अफसरों में किसी ने घटना से जुड़ी अन्य जानकारीयां साझा नहीं की हैं।

28 साल से अधिक के करियर में ऐसी घटना नहीं : पीटीआई पर आई रिपोर्ट के मुताबिक एरी के पुलिस प्रमुख रिक लोराह ने एक स्थानीय न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि अपने 28 साल से अधिक के करियर में उन्होंने ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि शहर में इतने लोगों की मौत और इतनी बड़ी तबाही का सामना शायद पहले कभी नहीं करना पड़ा।

अमेरिका के किस कोने का मामला, गवर्नर ने हर संभव मदद की पेशकश की : इस घटना के बाद पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने शनिवार को एरी की मेयर डारिया डेविलिन को हर संभव मदद देने की

पेशकश की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस मुश्किल समय में शहर को पूरा सहयोग देगा। एरी शहर पिट्सबर्ग से करीब 188 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। फिलहाल, घटना को लेकर अधिकारियों ने इससे अधिक जानकारी नहीं दी है।

स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबि मरने वालों में दो बच्चे और एक गर्भवती महिला भी शामिल है। अधिकारियों के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही सभी नौ लोगों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस के वारदात की जानकारी 'शॉटस्पॉट' के जरिए अलर्ट से मिली। रिपोर्ट के मुताबिक यह एक विवाहित डिटेक्शन सिस्टम है जो संभावित गोलीबारी की पहचान करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और माइक्रोफोन के नेटवर्क का इस्तेमाल करता है। पुलिस प्रमुख रिक लोराह के मुताबिक इस घटना में जान-माल के से वे बेहद दुखी हैं। पुलिस जैसे हालात का सामना कर रही है, वह बहुत परेशान करने वाली है। घटना के पीछे की वजह अभी तक पता नहीं चली है।

ट्रम्प बोले- अटलांटिक या पैसिफिक का नाम ‘ट्रम्प ओशन’ रखेंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अटलांटिक या पैसिफिक ओशन का नाम बदलकर ‘ट्रम्प ओशन’ या ‘ओशन ऑफ द अमेरिका’ रखने का सुझाव दिया है। ट्रम्प ने शनिवार को एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि 2028 में अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले वह एक महासागर और एक बड़ी नदी का नाम बदलना चाहते हैं। उनकी इस बात पर रैली में मौजूद लोग हंसने लगे और तालियां बजाने लगे। इससे पहले भी ट्रम्प खुद के नाम पर कई जगहों के नाम रखने का सुझाव दे चुके हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कई बार हेर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी इलाका बताते हुए कहा कि क्या इसका नाम बदलकर ‘ट्रम्प स्ट्रेट’ कर देना चाहिए।

मेक्सिको गल्फ को ‘गल्फ ऑफ अमेरिका’ किया पिछले साल ट्रम्प ने मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर

‘गल्फ ऑफ अमेरिका’ कर दिया था। इस फैसले के बाद मेक्सिको के साथ कूटनीतिक तनाव बढ़ गया था। इस नाम को लेकर ट्रम्प प्रशासन और अमेरिकी न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (ए) के बीच भी विवाद हुआ।कने खाड़ी के नए नाम को हर जगह इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में एजेंसी की पहुंच को लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हो गई थी।

करीब 100 मकान बहने की आशंका : गोरखा जिला के प्रमुख जिला अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि बाढ़ अहले सुबह 4 बजे के करीब आई है। इसमें दोभान, घंटेखोला, जगत्, सल्लेरी, चुमानुबरी एवं धाचें गांव पालिका में भारी नुकसान हुआ है। वहीं चुमानुबरी से न्याकचेत-सिर्दिबास जोड़ने वाला पुल भी बाढ़ ने बह

लेक ओंटारियो को भी ‘लेक अमेरिका’ किया : इस साल अगस्त में ट्रम्प ने अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के बीच स्थित लेक ओंटारियो का नाम बदलकर ‘लेक अमेरिका’ कर दिया था। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, यह फैसला कनाडा के नेताओं के साथ व्यापार और टैरिफ को लेकर चल रहे तनाव के बीच आया था। न्यू मेक्सिको राज्य का नाम बदलने का भी सुझाव दिया ट्रम्प ने अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य का नाम बदलकर ‘न्यू अमेरिका’ रखने का सुझाव भी दिया था। पिछले महीने उन्होंने यह विचार सामने रखा था। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि इस बारे में फैसला राज्य के लोगों को ही करना होगा। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, न्यू मेक्सिको में रिपब्लिकन पार्टी के एक उम्मीदवार के समर्थन में वीडियो संदेश में ट्रम्प ने कहा था, ‘मैं इस पर जोर नहीं

दूंगा, लेकिन बहुत से लोगों को यह नाम काफी पसंद है।’ क्या अमेरिका अकेले नाम बदल सकता है? अमेरिकी सरकार अपने आधिकारिक दस्तावेजों, सरकारी नक्शों और रिकॉर्ड में किसी जगह के लिए नया नाम इस्तेमाल करने का फैसला कर सकती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे देश भी उस नाम को स्वीकार करने के लिए बाध्य होंगे। अंटलांटिक और पैसिफिक ओशन नॉर्थ से साउथ अमेरिका तक फैला हुआ है। इसलिए यह ओशन कई देशों से जुड़ा है। इसलिए अगर अमेरिकी सरकार अपने दस्तावेजों में इसे ‘ट्रम्प ओशन’ कहना शुरू भी कर दे, तो भी दूसरे देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अमेरिकी नाम को अपने आप अपनाते के लिए बाध्य नहीं होंगी। यानी नाम बदलने से महासागर का मौलिकाना हक नहीं बदल जाएगा। नया नाम इस्तेमाल करने से यह अमेरिकी क्षेत्र नहीं बन जाएगा।

कहा गया, क्योंकि चुमानुबरी रूरल म्युनिसिपैलिटी-6 से नदी में भारी बाढ़ आने की आशंका थी। अर्थारिटी के बाढ़ पूर्वानुमान विभाग ने सुबह 6:40 बजे अलर्ट जारी किया। इसमें लोगों से कहा गया कि वे त्रिशूली दोभान तक नदी के पास न जाएं और बाढ़ का पानी उतरने तक ऊंचे स्थानों पर रहें। चेतावनी में लोगों से सावधानी बरतने और नदी के किनारे के उन इलाकों से दूर रहने को कहा गया, जहां जलस्तर बढ़ने से खतरा हो सकता है। अर्थारिटी ने सोशल मीडिया पर यह अलर्ट जारी कर इलाके के निवासियों और अन्य लोगों को बाढ़ के संभावित खतरे से आगाह किया।

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़:कई पुल-घर बहे, 4 लापता, लैंडस्लाइड से स्यारी नदी का रास्ता बंद, बिहार में भी खतरा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक बाढ़ आने से कई गांवों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ में कई घर और मौत बह गए। चार लोग लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बाढ़ से 341 मेगावाट के बूढ़ी गंडकी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण कैप और कई मशीनें भी बह गईं। बाढ़ का पानी सुबह करीब 4 बजे बस्तिरा में घुसा, जिसके बाद लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ऊंचे पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण चुन्चुब्री स्यारी नदी का रास्ता बंद हो गया था। इससे पानी जमा हुआ और फिर अचानक



और रास्ते में जो कुछ मिला, वह नदी की धारा में समा गया। नदी अपने साथ घर, पुल, बेस कैप सभी सब कुछ बहा कर लेकर चली गई। इस बाढ़ के कारण दोभान, घंटेखोला, जगत्, सल्लेरी, चुमानुबरी एवं धाचें गांव पालिका में भारी नुकसान हुआ है। वहीं चुमानुबरी से न्याकचेत-सिर्दिबास जोड़ने वाला पुल भी बाढ़ ने बह

100 घर बाढ़ में बहने का अनुमान है। छोटे-बड़े आधा दर्जन पुलों को भी क्षति हुई है। सल्लेरी में निर्माणधीन जल विद्युत परियोजना के बेस कैप को भारी नुकसान हुआ है। बाढ़ अपने से बेस कैप बहा ले गई है। हालांकि अभी तक जान माल की क्षति का आंकलन नहीं हो पाया है। हुए मंत्री सुदन गुरुंग के निर्देश पर रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए हेलिकॉप्टर को लगाया गया है। रेस्क्यू टीम बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकाल रही है।

नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रीडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने रविवारको बाढ़ की चेतावनी जारी की। इसमें लोगों से बूढ़ी गंडकी नदी से दूर रहने को

जानकारी

कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें

कार्डियो के एक सेशन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कार्डियो वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाकर रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बेहतर बनाता है। आपको बता दें कि कार्डियो एक्सरसाइज में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना और बहुत सारे व्यायाम आते हैं। इसके अंतर्गत आने वाले व्यायामों को कम तीव्रता के साथ शुरू करना पड़ता है जिसकी गति धीरे-धीरे बढ़ती है। कार्डियो एक्सरसाइज

मिलेगी एनर्जी



से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही इससे नियंत्रित तनाव, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित होता है। अपने कार्डियो सत्र को पूरा करने के लिए आपको अच्छे ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता

होती है। आप पूरी तरह से कार्डियो सत्र के लिए अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए कार्ब्स पर निर्भर नहीं हो सकते। अन्य कार्डियो फ्रेंडली आहार विकल्प हैं जिनसे आप पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

प्रोटीन
प्रोटीन को जिम का सबसे घनिष्ठ साथी माना जाता है। प्रोटीन शेक या प्रोटीन युक्त अन्य पदार्थ जिम जाने वालों के लिए वरदान माने जाते हैं। यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आप अपने वर्कआउट के बीच भी इसका सेवन कर सकते हैं। आप भोजन के लिए कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का संयोजन भी बना सकते हैं। यह एक संपूर्ण भोजन होगा जो आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

एनर्जी शेक और स्मूदी
कार्डियो करने वालों के लिए एनर्जी शेक और स्मूदी जबरदस्त स्रोत होते हैं। आप कार्डियो फ्रेंडली स्मूदी तैयार करने के लिए दही के साथ अपनी पसंद के फल को मिला सकते हैं। आप अपने कार्डियो सत्र से पहले या सत्र के बीच में शेक या स्मूदी पी सकते हैं। आपको फल के पोषक तत्व प्रदान करेंगे। उन्हें तैयार करने के लिए मौसमी फलों का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है।

फाइबर युक्त आहार
फाइबर एक स्मार्ट विकल्प है, जब कार्डियो फंडली खाद्य पदार्थों की बात आती है। फाइबर वजन घटाने के अनुकूल होने के साथ-साथ यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। यदि आप अपने आहार में अधिक फाइबर शामिल करते हैं तो आप आवश्यक कैलोरी का उपभोग करने की संभावना कम करते हैं।

नट्स और सीड्स
नट्स और सीड्स का मिश्रण आपको तुरंत ऊर्जा दे सकता है। मुद्दी भर नट आपके लिए आवश्यक ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त हैं। नट्स और सीड्स आपको अधिक समय तक भरे रखते हैं और आपको बेकार की चीजों को खाने से रोकते हैं। नट्स और सीड्स में से कुछ जिन्हें आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं, उनमें हैं- बादाम, पलेवास सीड्स, भांग के बीज, चिया सीड्स और अखरोट।

साबुत अनाज
साबुत अनाज अपने आप में ही कई पोषक तत्वों का स्रोत होता है। साबुत अनाज का सेवन आपको वजन कम करने में मदद करने के लिए आपको पर्याप्त फाइबर प्रदान करेगा। साबुत अनाज में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है जो कार्डियो एंड के अनुकूल बनाती है। आप विभिन्न तरीकों से अपने आहार में साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज आपको कार्डियो के लिए अधिक ताकत प्रदान करेगा और आपकी मांसपेशियों के लिए ईंधन का काम करेगा।

गर्भावस्था



के बारे में ये बातें

कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

श्रोणि में दर्द
गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

मसूड़ों से खून बहना
कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्रत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिहाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव
गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे में पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना
गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंठकण्ठी नली को प्रभावित कर, कान के अवरुद्ध होने की भावना पैदा करता है। वाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

सुझाव

स्वस्थ फेफड़ों के लिए लें खास आहार



हमारा खान-पान कैसा हो जो फेफड़ों के लिए फायदेमंद रहे। अगर फेफड़ों में कोई परेशानी हो, तो अपने खाने में क्या शामिल करें प्रदूषण, धूम्रपान आदि के दुष्प्रभावों के कारण छत्ती व फेफड़ों से संबंधित परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हम आहार पर थोड़ा-सा गौर करके अपने फेफड़ों को ज्यादा सेहतमंद बना सकते हैं।

क्या खाएं
विटामिन सी युक्त भोजन और फल लें। इनमें खट्टे फल, नींबू, संतरा, मौसमी आदि प्रमुख है। संतुलित आहार लें, जो दाल और अन्न से परिपूर्ण होना चाहिए। यदि फेफड़ों से संबंधी कोई परेशानी है या फेफड़ों में किसी तरह के संक्रमण की शिकायत है तो प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, ताकि शरीर में हुई क्षति को जल्दी ठीक किया जा सके। प्रोटीन के लिए सोयाबीन, सभी तरह की दालें, पनीर, अंडा आदि खा सकते हैं। दिन में कम-से-कम डेढ़ से दो लीटर पानी अवश्य पिएं। इससे बलगम को बाहर निकलने में सहायता मिलती है। फलों से मिलने वाले विटामिन्स और मिनरल्स फेफड़ों को दुरुस्त रखने में सहायक होते हैं। मौसमी फल खाना अधिक हितकर होता है। खाने-पीने का समय निर्धारित करें और नियमित अंतराल पर खाएं।

मौसम के अनुरूप यह रखें ध्यान
आजकल के उमस भरे मौसम में फेफड़ों को स्वस्थ रखने या उनसे संबंधित परेशानी से राहत के लिए पानी खूब पिएं। फेफड़ों से संबंधित किसी तरह की परेशानी है तो बहुत खट्टा या ठंडा न खाएं। इससे फेफड़ों में सूजन की आशंका रहती है। शरीर को एकदम सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी में ले जाने से बचें।

क्या नहीं खाएं
बासी भोजन न करें। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और पाचन तंत्र भी बिगड़ता है। यदि फेफड़ों का किसी तरह का रोग है, तो तेज मसाले और तला-भुना खाने से भी बचें, क्योंकि इससे एसिडिटी की शिकायत हो सकती है, जो फेफड़ों के लिए बहुत हानिकारक होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू रे चो ला ली लू ले लो आ
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्ययनों का त्याग करें। शुभांक-3-8-9

वृष
इ उ ए ओ वा वी चू वे वो
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्ययनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन
का की कू घ ड ठ के को हा
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क
ही हू हे हो डा डी हू रे डो
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह
मा नी नू जे जो रा टी टू टे
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या
रो पा पी पूष ण ट पे पो
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा दें उसके बाद समय व्यवकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला
रा टी ठ रे रो ता ती तू ते
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक
तो ना नी नू जे नो व यी यू
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति ल्यांगें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

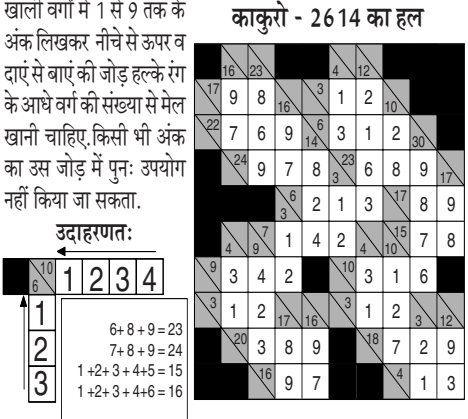
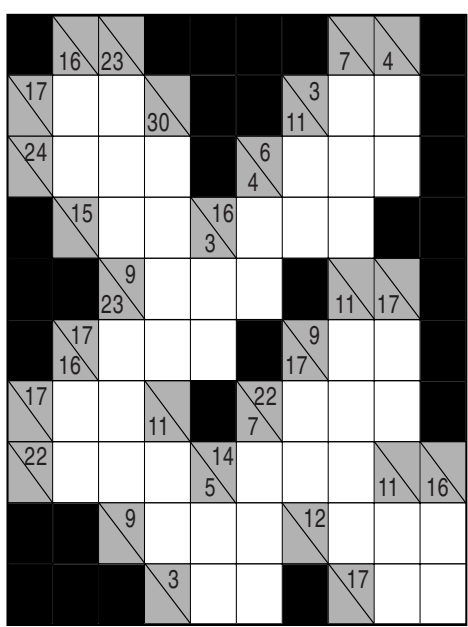
धनु
ये यो मा गी नू धा फा ङा ने
व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चन और परिवार के बुबुरा-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर
मे ना नी खी खू खे खो ना गी
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुम्भ
गू णे गो सा ली खू से सो दा
किसी से कहा सुनो न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन
री दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब का दिल मोटा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय नज़रआ करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 2615



लॉफिंग ज़ोम

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ़ सौ साल से हूँ।

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)-

दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

रमन-चमन आपस में बातें कर रहे थे।

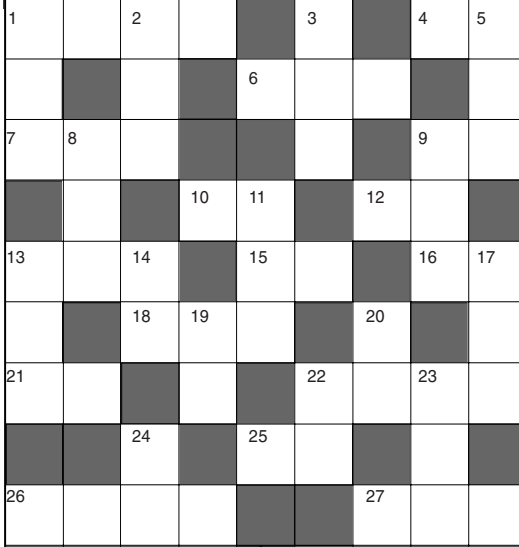
रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मॉजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

फ़िल्म वर्ग पहेली-2615



बायें से दायें:-

- अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
- 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्राफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
- सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
- 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
- अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
- 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युका मुखी की फिल्म-२
- बरलाज साहनी, नूनन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
- 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
- अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
- 'दिल ही दिल में' गीत वाली दिविक ओबेरॉय, दीपा की फिल्म-२
- अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
- अमिताभ वाली फिल्म 'यादना' की नायिका कौन थी-२
- 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
- धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
- 'अल्ट्रड मस्त जवानों' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-२
- डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुगये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

- अक्षय, खीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
- 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बाँबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
- गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यार' गीत वाली फिल्म-३
- 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, रावेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
- अनिल कपूर, श्रीदेवी, खीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
- 'जागे जागे नैनो' में गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
- संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
- 'क़ो तेरी औखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
- डिनो, बिपाशा की 'कितावा प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
- 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
- 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
- फिल्म 'करीब' में बाँबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
- आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
- 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
- जाकिर, शबाना, अरुणा की 'बदल चौंटी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फ़िल्म वर्ग पहेली- 2614



ऊपर से नीचे

- बिंदु, बिंदी, शून्य-2
- गोलाकरी,3
- संमिलित होना-3,2
- घाटा,नुकसान-2
- मूर्ख,बेवकूफ-4
- बिना कारण,बेवजह-4
- राजा की पत्नी-2
- वहम,संदेह-2
- दुर्घटना-3
- खाना बनाने की जगह,किचन-3
- एकाएक, सहसा-4
- अलमस्त-2
- कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
- आरामदायी-5
- सम्मान-2
- भलामनसता-4
- सद्,अच्छा-2
- मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

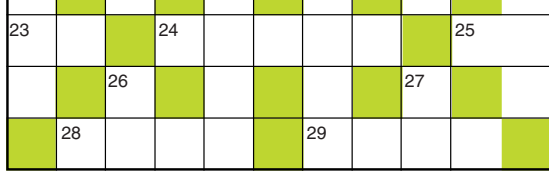
शब्द पहेली - 2614 का हल

सूडोकु -2616 का हल

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं। प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें। पहले से मौजूद अंकों को आप हटायें नहीं सकते। पहेली का केवल एक ही हल है।

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 2615



बाएँ से दायें

- जानकारी-4
- मांसाहार का उलट-4
- जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
- कायाकल्प-5
- पिता के छोटे भाई-2
- कहानी लिखने वाला-5
- नाम रखना-5
- बेवक,अकाल-5
- प्रयास,कोशिश-5
- टोंटी,नलका-2
- कामदेव,पुष्कर-2,3
- डर,भय-4
- शोर-शराबा-4
- बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

- बिंदु,बिंदी,शून्य-2
- गोलाकरी,3
- संमिलित होना-3,2
- घाटा,नुकसान-2
- मूर्ख,बेवकूफ-4
- बिना कारण,बेवजह-4
- राजा की पत्नी-2
- वहम,संदेह-2
- दुर्घटना-3
- खाना बनाने की जगह,किचन-3
- एकाएक, सहसा-4
- अलमस्त-2
- कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
- आरामदायी-5
- सम्मान-2
- भलामनसता-4



नीरू धांडा ने एशियन गेम्स के तीनों मेडल भारतीय सेना को किए समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टैप शूटर नीरू धांडा ने 2026 एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। उन्होंने प्रतियोगिता में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। भारतीय सेना में नायब सूबेदार के पद पर कार्यरत नीरू ने अपने तीनों पदक भारतीय सेना और देश की रक्षा में बलिदान देने वाले जवानों को समर्पित किए।

टैप शूटिंग में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी नीरू

नीरू धांडा ने एशियन गेम्स में महिला व्यक्तिगत टैप शूटिंग स्पर्धा में 26 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता। इस उपलब्धि के साथ वह इस स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने

वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके बाद उन्होंने आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ महिला टीम टैप स्पर्धा में सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि क्यानन चेनाई के साथ मिश्रित टीम टैप स्पर्धा में गोल्ड जीतकर अपने अभियान को यादगार बना दिया।

भारतीय सेना से मिले सम्मान को जीवनभर याद रखेंगी नीरू

नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान सेना प्रमुख जनरल धीरज सेन ने 2026 एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय सेना के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। नीरू ने कहा, 'मेरी सेना और मेरे देश ने मुझे जो सम्मान दिया है, उसे मैं अपनी पूरी जिंदगी याद रखूंगी। मैं

भारतीय सेना और अपने सभी देशवासियों के लिए लड़ती रहूंगी। मुझे उम्मीद है कि मुझे आगे भी लोगों का ऐसा ही प्यार, स्नेह और आशीर्वाद मिलता रहेगा। मैं यहां मिले सम्मान के लिए दिल से बहुत खुश हूं और सभी की आभारी हूं।'

शहीद जवानों और उनके परिवारों को समर्पित किए तीनों पदक

नीरू ने आगे कहा, 'मैं अपना यह पदक भारतीय सेना और देश के उन बहादुर जवानों को समर्पित करती हूं, जो हमारी मातृभूमि की रक्षा करते हुए सीमा पर अपनी जान गंवा देते हैं। मैं अपने तीनों पदक उन्हें समर्पित करती हूं। देश के प्रति उनका दृढ़ संकल्प और राष्ट्र के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देना

कोई छोटी बात नहीं है। उनके भी परिवार हैं। वे हमारे देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ त्याग देते हैं।'

वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक और ओलंपिक कोटा हासिल करने पर नजर

एशियन गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद नीरू धांडा का अगला लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप है। यह प्रतियोगिता 1 से 15 नवंबर तक आयोजित होगी, जिसमें ओलंपिक कोटा हासिल करने का मौका भी मिलेगा। नीरू अब इस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही हैं, जबकि उनका बड़ा लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना है।

नीरू ने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य 1 से 15 नवंबर तक होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप है, जिसमें ओलंपिक कोटा प्रतियोगिता भी शामिल है। इसके बाद अगला लक्ष्य, जो हर खिलाड़ी का सपना होता है, 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक है।'

नीरू की नजर अब 2028 ओलंपिक पर

एशियन गेम्स में नीरू धांडा की सफलता भारतीय निशानेबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि है। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश और भारतीय सेना का नाम रोशन किया है। अब उनकी नजर आगामी वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भारत का कोटा सुनिश्चित करने पर होगी।

संक्षिप्त

समाचार

19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तराखंड ने असम को 255 रन से रौंदा

लड़कियों ने बिहार को 71 रन से दी शिकस्त



देहरादून (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर उत्तराखंड के युवा खिलाड़ियों ने दम दिखाया है। अंडर-19 पुरुष टीम ने असम को 255 रन से हराया, तो महिला टीम ने बिहार को 71 रन से शिकस्त दी। दोनों टीमों ने अपनी विपक्षी टीमों को एकतरफा अंदाज में रौंद दिया।

क्रिकेट के मैदान में उत्तराखंड की युवा प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन: क्रिकेट के मैदान पर उत्तराखंड की युवा प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है। बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में प्रदेश की अंडर-19 पुरुष और महिला टीमों ने अपने-अपने मुकाबलों में बड़ी जीत दर्ज की। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तराखंड की पुरुष टीम ने असम को 255 रन से हराया, जबकि महिला अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी में उत्तराखंड की बेटियों ने बिहार को 71 रन से शिकस्त दी।

पुरुष टीम की जीत में कप्तान आयुष देसवाल की 78 रन की पारी और आकाश कुमार के चार विकेट अहम रहे। महिला टीम की ओर से कप्तान करीना ने 47 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दोनों मुकाबलों में उत्तराखंड के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने मिलकर विपक्षी टीमों पर दबाव बनाए रखा।

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका पर 280 रन की बढ़त ली

दूसरी पारी में 4.83 के रनरेट से स्कोर किया, चौथे दिन लंच तक- 174/4



डरबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में मजबूत पकड़ बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने डरबन के किंग्समीड में चौथे दिन लंच 4 विकेट खोकर 174 रन बनाए हैं। टीम की कुल बढ़त 280 रन हो गई है। मैट रेनशॉ 32 और एलेक्स कैरी 5 रन बनाकर क्रीज पर हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 390 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका की टीम 284 रन पर ऑलआउट हो गई। इस आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 106 रन की बढ़त मिली थी।

रेनशॉ दूसरी पारी में भी अच्छी लय में- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 137.2 ओवर में 390 रन बनाए थे। मैट रेनशॉ ने 397 गेंदों पर 190 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 21 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान पैट कर्मिस ने 98 गेंदों पर 43 रन बनाए, जबकि लाबुशेन ने 58 गेंदों पर 37 रन जोड़े।मैट रेनशॉ दूसरी पारी में भी वह संकरात्मक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं। लंच तक उन्होंने 47 गेंदों पर 32 रन बनाए हैं, जिसमें 4 चौके शामिल हैं।

साउथ अफ्रीका की पहली पारी 284 रन पर सिमटी- साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 78 ओवर में 284 रन बनाए थे।

मैइनसन ने 126 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बनाए रन -दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। निक मैइनसन ने 38 गेंदों पर 48 रन बनाए। उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 126.32 रहा। उन्हें नॉर्थिया ने बोल्ट किया। स्टीव स्मिथ ने 41 गेंदों पर 27 रन का योगदान दिया। मार्नस लाबुशेन ने भी 58 गेंदों पर 37 रन बनाए। स्टीव स्मिथ को साइमन हार्मर ने आउट किया। केशव महाराज की गेंद लाबुशेन टेम्बा बावुमा को कैच दे बैठे।

भारतीय कप्तान अख्तर ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया

कहा- हमारे प्लान क्लियर थे, अभिषेक और प्रिंस की पारियां भी अहम रहीं

इंदौर (एजेंसी)। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मेहमान टीम को 14 रनों से मात दे दी। रविवार को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए मैच में टीम इंडिया ने पहले 223 रन बनाए और फिर वेस्टइंडीज को 20 ओवर में 209 रनों पर ही रोक दिया। जिसके साथ वो सीरीज में 2-1 से आगे निकल गए। मैच के बाद टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अख्तर ने अपने गेंदबाजों की साफ सोच और पक्के इरादों की तारीफ करते हुए कहा कि मैच में ओस ना पड़ने की वजह से गेंदबाज अपनी योजनाओं पर टिके रहे, जिसकी वजह से मैच में हमें जीत मिली। अर्शदीप ने मैच में कुल 3 विकेट चटकाए, डेथ ओवरों में उनके यॉर्कर सबसे खास थे. इसके अलावा कप्तान ने जीत की नींव रखने वाली बल्लेबाजी की भी तारीफ की, जिसका अभिषेक शर्मा के 69 रन, ईशान किशन के 37 रन और आखिर में प्रिंस यादव की 13 रन की छोटी की। अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की तारीफ करने के साथ-साथ अख्तर ने ये भी कहा कि वेस्टइंडीज जैसी टीम को आप कभी हल्के में नहीं ले सकते. इसलिए हम कभी भी लापरवाह नहीं हो सकते थे. ये मैदान हार्ड-स्कोरिंग था, लेकिन यह जरूरी है कि हम अपनी प्रक्रिया और रूटीन पर टिके रहें और आक्रामक बने रहें।



गेंदबाज और बेहतर कर सकते :

कप्तान शाई होप - वहीं दूसरी तरफ मैच हारने वाले वेस्टइंडीज टीम के कप्तान शाई होप ने कहा कि गेंदबाज और बेहतर कर सकते थे. हमने कुछ बाउंड्रीज भी दीं. मेरा मानना ​​? है कि जिस तरह से हमने मैच में वापसी की, वह वाकई तारीफ के काबिल था. शुरुआत से ही, अगर आप अभिषेक और किशन की पार्टनरशिप को देखें, तो वह बहुत खतरनाक थी, लेकिन रोस्टन की बदौलत हमें कुछ विकेट मिले और हमने मैच पर दोबारा पकड़ बनाई। उन्होंने यह भी माना कि टीम को बैटिंग ऑर्डर में मजबूत टॉप-3 बल्लेबाजों की जरूरत है, लेकिन वे इसके लिए एक या दो खिलाड़ियों को दोष नहीं देना चाहते थे. इसके अलावा इस मैच में ओस न

पड़ने का भी असर पड़ा. हमें लगा कि हमारी पारी के आखिर में गेंद थोड़ी ज्यादा स्विंग हो रही थी. लेकिन भारतीय गेंदबाजों को भी इसका श्रेय जाता है, उन्होंने बहुत अच्छे गेंदबाजी की और हमें दिखाया कि यॉर्कर कैसे फेंकते हैं।

सीरीज का चौथा मैच 14 अक्टूबर को - दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा मैच 14 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा. ये मैच दोनों ही टीमों के लिए अहम होगा, क्योंकि अगर इस मैच को भारत जीत जाता है तो वो सीरीज जीत जाएगा और अगर ये मैच मेहमान टीम जीतने में सफल हो तो वो सीरीज बराबर करने में सफल हो जाएगा. जिसकी वजह से सीरीज का पांचवां और अंतिम मैच सीरीज डिसाइडर मैच बन जाएगा।

पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्राँ मिला

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्राँ मिला है। मंगलवार से डेनमार्क के ओडेंस में शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में सिंधु का पहला मैच दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन एन से-यंग से होगा। 2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु एन के खिलाफ पिछले 10 मैच हार चुकी हैं। उनके अलावा, मॅस सिंगल्स में लक्ष्य सेन के सामने तीसरी वरीयता प्राप्त चाउ तिएन चेन की चुनौती होगी।सिंधु 2 दिन पहले आर्कटिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से हारकर बाहर हो गई थीं।

सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन जीता था - पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं।सिंधु ने फाइनल मुकाबले में जापान की अक्ली यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मुकाबला करीब 50 मिनट तक

चला था।

लक्ष्य को चाउ से पार पाना होगा - एशियाड में खराब प्रदर्शन के बाद लक्ष्य सेन अपनी फॉर्म हासिल करना चाहेंगे। पिछले 2 साल में उनका प्रदर्शन अप-डाउन होता रहा है।लक्ष्य इस साल दूसरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के उपविजेता रहे। 2022 में भी वे इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। 2024 में ओलिंपिक सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य भारत के इक्कीते पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी हैं। वे पीट की चोट से परेशान रहे हैं।

आयुष और श्रीकांत भी मैदान में - आयुष शंठी अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे। उन्होंने 2025 में यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीता था। इस साल विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने तत्कालीन दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी शी यूची को हराकर सुखियां बटोरी थीं।उनका सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा। विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में अल्वी ने आयुष को हराया



था। किदांबी श्रीकांत का मुकाबला फ्रांस के अनॉड मर्कल से होगा।

महिला सिंगल्स में पांच भारतीय - भारत की महिला सिंगल्स चुनौती में तान्वी शर्मा, अस्मिता चालिहा, देविका सिहाग और उन्नति हूडा भी शामिल हैं। तान्वी का पहले दौर में जापान की नात्सुकी निदाइरा से मुकाबला होगा। उन्होंने अगस्त में ताइपे ओपन जीतकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता था।

अस्मिता का सामना बुल्गारिया की कलोरयाना नलबातवा से होगा। अस्मिता भी अगस्त में कोरिया मास्टर्स सुपर 300 जीतकर टूर-लेवल चैंपियन बनी थीं। देविका के सामने थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग होगी। उन्नति चीन की हान चियान शी के खिलाफ खेलेंगी।

सात्विक-चिराग से वापसी की उम्मीद - पुरुष डबल्स में पूर्व दुनिया की नंबर-1 जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शंठी

वापसी करना चाहेंगे। एशियाई खेलों में यह जोड़ी पहले दौर में चौंकाने वाली हार के साथ बाहर हो गई थी।भारतीय जोड़ी ने मई में सिंगापुर ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। इससे उनका दो साल से चला आ रहा खिताबी सूखा खत्म हुआ था।इसके बाद उन्होंने पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब भी जीता। पांचवीं वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग का पहले दौर में चीन के हे जो तिंग और रेन शियांग यू से मुकाबला होगा।

ट्रीसा-गायत्री पर भी नजर - महिला डबल्स में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भारत की चुनौती की अगुआई करेंगी। इस जोड़ी ने अगस्त में विश्व चैंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों में दोनों क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं।वहां उन्हें मलेशिया की पियली टैन और थिनाह मुस्लीधरन ने हराया था। डेनमार्क ओपन में ट्रीसा और गायत्री का पहले दौर में चीनी ताइपे की यान फेंई चेन और हिसिएह पेई शान से मुकाबला होगा।

पाकिस्तान टी-20 में अपना दूसरा 100 मीटर स्केटिंग में 12 वर्षीय बच्ची का कमाल

17.96 सेकंड में दूरी तय करके गिनीज बुक में बनाई जगह

श्रीलंका को 82 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दूसरे टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है। पाकिस्तान ने रविवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 215 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सर्वोच्च स्कोर 232/6 है, जो उसने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। जबवां में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान ने 11 रन देकर 3 विकेट लिए। इससे पहले माज सदाकत ने 51 गेंदों पर 96



था। दो जीवनदान मिलने के बाद फरहान ने 5 छकों और 4 चौकों की मदद से 73 रन बनाए। 15वें ओवर में दासुन शनाका की गेंद पर महेश तीक्ष्णा ने सीमा रेखा के पास उनका कैच पकड़ा।

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। मुंबई की एक बारह साल की बच्ची ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह बनाई है. अदिति मांजेकर ने ‘इनलाइन स्केट्स बैकवर्ड कैटेगरी’ में सबसे तेज 100 मीटर की दूरी तय करके रिकॉर्ड बनाया. उसने यह कारनामा सिर्फ 17.96 सेकंड में कर दिखाया।

कड़ी मेहनत से मिली सफलता - पूर्वी मुंबई के उपनगर भांडुप में रहने वाले बच्ची के पिता, प्रसाद मांजेकर ने मॉडिया से खास बातचीत में बच्ची की सफलता का श्रेय अपनी बेटी की कड़ी मेहनत और लगन को दिया. उन्होंने कहा कि बच्ची ने रिकॉर्ड बनाने के लिए बहुत मेहनत की और कड़ी ट्रेनिंग ली. उसकी इस उपलब्धि से घर में खुशी का माहौल है. प्रसाद ने ये भी कहा, ‘हम भविष्य में स्केटिंग में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए अदिति का हौसला बढ़ाते रहेंगे. मैं उसे भारत का



प्रतिनिधित्व करते हुए देखना चाहता हूं।’ वहीं अदिति ने कहा कि वह अपने माता-पिता और शिक्षकों के सहयोग से ही यह उपलब्धि हासिल कर पाई है. उसने कहा, ‘मैंने जो हासिल किया है,

वह मेरे माता-पिता और शिक्षकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है. मैं देश का नाम रोशन करना चाहती हूं. भविष्य में, मैं देश के लिए खेलना चाहती हूं।’

पिता एक कैफे चलाते हैं - ये भी उल्लेखनीय है कि अदिति बहुत साधारण परिवार से आती है. उसके पिता एक कैफे चलाते हैं. उसने अपने कैफे के सामने ही एक स्केटिंग कोच से ट्रेनिंग ली. शुरू में उसके माता-पिता को लगा कि वह हार मान लेगी, उन्हें अंदाजा नहीं था कि वह इतनी लगन दिखाएगी और रिकॉर्ड बनाएगी. उसने हर दिन दो से बड़ घंटे प्रैक्टिस की और पिछले तीन सालों में 26 मेडल जीते।

अदिति ने इस खास लिस्ट में जगह बनाने के लिए कर्नाटक के बेलगाम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए कोशिश की. प्रसाद ने कहा, ‘उस समय हममें से कोई भी उसके साथ नहीं था. रिकॉर्ड बनाने में उसने जो दृढ़ संकल्प दिखाया, उस पर हमें सचमुच गर्व है।’

फ्रीडा पिंटो ने दी करियर बदलने की सलाह



हरलीन सेटी के एक्टिंग करियर की शुरुआत डांस से हुई। वह डांस करती थीं और सिखाती भी थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात 'स्लमडॉग मिलेनियर' फेम अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो से हुई। फ्रीडा ने हरलीन से डांस की कुछ पर्सनल क्लासेस ली थीं। इसी दौरान उन्होंने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा।

फ्रीडा उस वक्त फिल्म 'डेजर्ट डांसर' की तैयारी कर रही थीं। उन्हें अपने बॉडी मूवमेंट और

परफॉर्मेंस पर काम करना था। इसके लिए उन्होंने हरलीन से ट्रेनिंग ली। बातचीत में हरलीन ने बताया, 'जब मैं डांस इंस्ट्रक्टर थी और डांस सीखती और सिखाती थी, तब फ्रीडा पिंटो ने मेरे साथ कुछ क्लासेस की थीं। वह डांस और परफॉर्मेंस सीखना चाहती थीं। उन्हें अपनी बॉडी में थोड़ी एजिलिटी लानी थी। वह फिल्म 'डेजर्ट डांसर' करने जा रही थीं। इसलिए उन्होंने मेरे साथ पर्सनल ट्रेनिंग ली। हमने उनकी बॉडी मूवमेंट और फ्लूइडिटी पर काम किया।'

फ्रीडा की बात आज भी याद है

इसी दौरान फ्रीडा ने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा। हरलीन के लिए यह बात खास थी, क्योंकि उस वक्त उन्होंने एक्टिंग को लेकर कोई प्लान नहीं बनाया था। हरलीन ने कहा, 'फ्रीडा पिंटो उन पहले लोगों में से थीं, जिन्होंने मुझसे कहा कि तुम एक्टिंग क्यों नहीं करती? जब वह मुझसे डांस सीखती थीं, तो मैं उन्हें परफॉर्म करके दिखाती थी कि ऐसे करना है, ये करो। इसी वजह से हमारी अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी। वह और उनकी बहन शायना बहुत स्वीट हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूँ। हम साथ

में काम किया करते थे।'

मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी

हरलीन उस समय एक्टिंग के बजाय डायरेक्शन में जाना चाहती थीं। उन्होंने बताया, 'मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी। मैंने एडवर्टाइजिंग में स्पेशलाइज किया था। मुझे हमेशा से पता था कि मुझे परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुछ करना है। लेकिन बचपन से यह तय नहीं था कि आखिर करना क्या है। फिर मुझे लगा कि शायद मैं डायरेक्शन करूंगी। डायरेक्टर एक्टर्स का कैप्टन होता है। तो मैंने सोचा कि मैं वहीं से अपनी जर्नी शुरू करती हूँ। फिर मैंने बहुत सारी एड फिल्में करना शुरू कीं। वहां से मेरी जर्नी एक्चुअली शुरू हुई ..बिहाइंड द कैमरा।'

इन प्रोजेक्ट्स में दिखीं हरलीन

बता दें कि करीब 13 साल के एक्टिंग सफर में हरलीन 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल', 'कोहरा', 'सुल्तान ऑफ दिल्ली', 'बी हैपी' और 'शक: ट्रस्ट नो वन' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।



प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डॉट ट्रबल द ट्रबल' को दिया अपना समर्थन

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डॉट ट्रबल द ट्रबल' को अपना समर्थन दिया है। इस फिल्म को एसएस कार्तिकेय ने प्रोड्यूस किया है और एसएस राजामौली ने इसे पेश किया है। जैसे ही फिल्म ने 2 अक्टूबर को बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की, अभिनेत्री ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, 'इसे दुनिया के सामने आते देखकर बहुत खुशी हो रही है। कार्त, तुम्हें और 'डॉट ट्रबल द ट्रबल' की पूरी टीम को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।'



अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म में फैंटेसी, एडवेंचर है। इसे परिवार के साथ देखने लायक बनाया गया है।

'वाराणसी' में प्रियंका

वहीं, प्रियंका चोपड़ा जोनास एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' के साथ भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के रोल में, प्रियंका चोपड़ा जोनास मंदाकिनी के रोल में और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे। राजामौली ने बताया है कि कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, अफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी और फिर वापस अपनी शुरुआती जगह पर लौटेगी।

संदीपा धर ने आतिश कपाड़िया को दिया कॉमेडी से परिचय कराने का श्रेय

मुंबई नेटफिलिक्स की चुंबक अपने मजेदार किरदारों और हल्के-फुल्के हास्य के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। शो में संदीपा धर, किरण का किरदार निभा रही हैं, जो बाकी अजीबोगरीब किरदारों के बीच बेहद समझदार हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा, किरण का किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल आसान नहीं था, क्योंकि वह शो की सबसे समझदार इंसान हैं। उसे अपने एक्शन से ही कॉमेडी करना था, लेकिन साथ ही इस बात का ख्याल भी रखना था कि उसके एक्शंस बनावटी न लगें। हालांकि इस बारे में मैंने आतिश से काफी चर्चा भी की थी। संदीपा की माने तो आतिश कपाड़िया की कहानी सुनाने की शैली और किरदारों को जीवंत करने की उनकी कला ने ही उन्हें चुंबक से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यही नहीं किरण के रूप में उनका संतुलित और सहज अभिनय शो की खासियत बनकर उभरा है और दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।



किसी फिल्म को 'पैन-इंडिया' बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं हो

अभिनेता-निर्देशक कुणाल खेमु की फिल्म 'वाइब' का प्रदर्शन सिनेमाघरों में संतोषजनक नहीं रहा। एक बातचीत के दौरान एक्टर ने 'पैन-इंडिया' टैग के बारे में बात की। इसके साथ ही 'हनुमान अंश' के बारे में भी काफी कुछ कहा। कुणाल खेमु ने बातचीत में विशाल चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित 'हनुमान अंश' पर भी चर्चा की। महज 2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। इस पर एक्टर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ अखिल भारतीय फिल्म है, यह एक अखिल अंतरराष्ट्रीय फिल्म बन गई है। दुनिया भर में हर कोई इस फिल्म को देख रहा है।' उन्होंने आगे अपनी बात को

समझाते हुए कहा कि किसी फिल्म को 'पैन-इंडिया' बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। उनके अनुसार, यह टैग काफी हद तक एक व्यापारिक शब्द है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि फिल्म अलग-अलग क्षेत्रों में कैसा प्रदर्शन करती है। आगे अपनी बातचीत में कुणाल ने कहा, 'यही हमें उम्मीद देता है। एक कलाकार का सफर कई बार दिल टूटने, आश्चर्यों और चुनौतियों से भरा होता है। इसलिए, अंत में यह सब देखना वाकई दिल को छूने वाला, उत्साहवर्धक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो पूरी तरह से कहानी पर आधारित होती हैं और दर्शकों को पसंद आती हैं, और यही बात बहुत मायने रखती है। वे तथाकथित मानदंडों या सफल फिल्म बनाने के किसी तय फॉर्मूले से निर्देशित नहीं होती।

पहले टीवी इंडस्ट्री में नकारात्मक किरदार को बिल्कुल बुरा दिखाते थे

अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों लोकप्रिय सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में 'दामिनी' (गौतम विरानी की पत्नी) के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले की तुलना में आज काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। उन्होंने बातचीत में कहा कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ी है और मुझे लगता है कि आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, 'इंडस्ट्री में बदलाव आगे भी जारी रहेगा, खासकर तकनीक के मामले में। अगर मैं 'क्योंकि सास भी बहू की तुलना-2' की तुलना पहले शो से करूँ, तो दोनों की तकनीक में जमीन-आसमान का फर्क है। अभिनेत्री ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, 'मेरा किरदार खुद ही एक सरप्राइज है। लोगों को लगा था कि दामिनी निगेटिव होगी, क्योंकि पिछले सीजन में मैंने निगेटिव रोल किया था। सबको लगा कि वह कुछ गलत करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। असल में वह एक आम औरत है, जिसकी अपनी परेशानियाँ हैं। वह ज्यादा ड्रामा नहीं करती और यही इस किरदार को खास बनाती है।'

अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले अब उन्हें डेली सोप में बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'पहले के समय में निगेटिव रोल को बिल्कुल बुरा ही दिखाते थे, जैसे कि उनमें कुछ अच्छा है ही नहीं और उनकी हर चीज को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता था। खासकर महिलाओं के मामले में, अगर किरदार पॉजिटिव है, तो उसे देवी बना दिया जाता था, लेकिन अब मुझे बदलाव नजर आ रहा है। डेली सोप में भी अब किरदारों में गहराई देखने को मिल रही है, जो कि अच्छा बदलाव है।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक समय था जब डेली सोप को लेकर सोच बन गई थी कि महिलाओं को पीछे धकेल सकता है। अब मैं देख रही हूँ कि किरदार कैसे बदल रहे हैं। अब डेली सोप में महिलाओं को घरेलू हिंसा और मैरिटल रेप जैसे मुद्दों पर बात हो रही है, जो कि बहुत जरूरी है और ऐसे मुद्दे समाज में बहुत बड़ा असर भी छोड़ रहे हैं।



विजय से सेट पर बहुत कुछ सीखती हूँ

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे। बुधवार को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रश्नकर्ता ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर 'एनिमल' फेम अभिनेत्री ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है, लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, 'हाय मैम, रणबाली के सेट पर विजय सर के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?' इसके जवाब में रश्मिका ने कहा, 'हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन अगर गंभीरता से कहूँ तो वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं, जैसा कि आप सभी जानते हैं। हमेशा की तरह मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है।' इससे पहले 'रणबाली' के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम अपनी माँ के नाम पर रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जब मैं 'रणबाली' लिख रहा था, तब इसकी दुनिया के हर छोट-बड़े

विवरण ने मुझे यादों में पहुँचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तो मैंने उसे कुछ बहुत निजी चीज दी, मैंने उसे अपनी माँ का नाम दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'उसके हर भाव और अनुभव को लिखते समय मैं पूरा ध्यान रखा कि वह ऐसी महिला बने, जो आज की महिलाओं को भी प्रेरित कर सके, भले ही वह किसी दूसरे दौर की पात्र हो।' इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 'रणबाली' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, '130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊर्जावान टीम का धन्यवाद।'





ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनका आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्वूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का
इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या

हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बागमी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरगवे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टेक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं
दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।



जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

‘मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है, हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी’ मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन ‘पर्च’ नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले

कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे ‘आरोही’ मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अस्खी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।



रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत

नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। इकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मवी उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुकसान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरिंगेटी से बेशक ग्नु (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुरस्कृत जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा



तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग

खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक

मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबेल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।



कि सी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या टिविस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को टिविस्टर करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटेरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यू टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द ‘ट्रोनाडा’ से बना है जिसका मतलब है ‘थंडरस्टॉर्म’। टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं। हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के ‘टॉरनेडो ऐली’ रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए ‘पल्स डॉलर राडार’ की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की पयूजिता या टॉरी जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है। सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो

सकते हैं तो कभी मिटटी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्गने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैयों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।



किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के स्रोत से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है। इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे ‘आई’ यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी

अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉलर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है। इनका टायफून नाम अरबी भाषा के ‘तूफान’ शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस ‘टायफोन’ से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता ‘हुराकान’ को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

